डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

वर्ष-4 | अंक-47 | मथुरा, सोमवार, 13 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

यमुना हादसे में 15 श्रद्धालुओं की मौत के बाद सतर्कता

अब पंजीकरण के बाद ही नाव संचालन की अनुमति

श्रद्धालुओं को लाइफ जैकेट पहनना होगा अनिवार्य : डीएम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में केशीघाट के निकट पौंटून पुल से टकराने के बाद पलटे स्टीमर में 15 श्रद्धालुओं की मौत के बाद प्रशासन गंभीर हो गया है। इस घटना के बाद अब प्रशासन सुरक्षा मानकों को सख्त करने की तैयारी में है। अब पंजीकरण के बाद ही नाव संचालन की अनुमति दी जाएगी और सवारियों को लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य होगा।

हादसे से सबक लेते हुए डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने निर्देश दिए हैं कि अब यमुना में सुरक्षा मानकों के बिना किसी भी नाव या मोटरबोट का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। सुरक्षा मानक पूरे करने के बाद इनका पंजीकरण किया जाएगा। इसके बाद वृंदावन, मथुरा और गोकुल क्षेत्र के नाविकों को प्रशासन की ओर से 425 लाइफ जैकेट बांटी जाएंगी।

वृंदावन, मथुरा और गोकुल क्षेत्र के नाविकों को 425 लाइफ जैकेट बांटी जाएंगी

केवल उन्हीं नावों को संचालन की अनुमति मिलेगी जिनका विधिवत पंजीकरण होगा और जो सभी सुरक्षा मानकों को पूरा करेंगी।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नावों में सवार होने वाले हर व्यक्ति को लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य होगा। नाव संचालन प्रक्रियाओं पर पैनी नजर रखी जाएगी। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

सोमवार को यमुना से दो और शव मिले

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में यमुना में हुए मोटर बोट दुर्घटना में पानी में डूबे 15 श्रद्धालुओं में से आज एक युवती और युवक का शव मिलने से यमुना से निकलने वाले शवों की संख्या 15 हो गई है। एक शव की तलाश के लिए रैस्क्यू अभियान जारी है। चार दिन पूर्व पंजाब से आए श्रद्धालुओं के एक दल के 38 सदस्य जिनमें महिला बच्चे और युवक शामिल थे। मोटर बोट में सवार होकर भजन कीर्तन करने दौरान मोटरबोट पीपे के पुल से टकरा कर यमुना में पलट गई थी। उस समय लोगों ने 22 श्रद्धालुओं को तो तुरंत पानी से निकाल लिया था। इसके साथ यमुना में 16 लोग डूब गए थे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और पीएसी की सर्च टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर दस लोगों के शवों को निकाल लिया था। बाकी के छह शवों को निकालने के लिए चार दिन से लगातार रैस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को कल दो शवों

एक युवक की सर्च के लिए अभियान जारी

को टीम ने यमुना से खोज निकाला था। सोमवार को आज पुलिस ने दो शवों को यमुना से निकाला लिया। इस तरह 15 शवों को अब तक रैस्क्यू कर चुकी है। पुलिस ने देवराह बाबा घाट से लुधियाना के रहने वाले यश भल्ला की है, जो दुर्घटना के समय भजन के दौरान ढोलक बजा रहा था। वह बांके बिहारी ग्रुप से जुड़ा था और धार्मिक संकीर्तन में ढोलक बजाता था। बंगाली घाट के समीप यमुना में तैरता एक महिला का शव मिला जिसकी शिनाख्त मोनिका टंडन के रुप में हुई है। मोनिका टंडन की शादी छह माहपूर्व हुई थी। उसका पति विदेश में है, और वह भी पति के पास जाने वाली थी। इस तरह एक अन्य युवक पंकज के शव को तलाश ने के लिए सर्च अभियान जारी है।

किसानों के संकट की घड़ी में शासन ने दिया साथ

कार्यालय संवाददाता

जनपद को दस करोड़ की आर्थिक सहायता राशि भेजी

ओलावृष्टि भारी बारिश से पीड़ितों को चेक मिलना शुरू हुआ

यूनिक समय, मथुरा। जिले में पिछले दिनों हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि के चलते किसानों की बर्बाद हुई फसलों को देखते हुए सीएम ने किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिए जाने के निर्देश दिए थे। शासन द्वारा किसानों की सहायता के लिए भेजे गए दस करोड़ रुपये की राशि को प्रशासन द्वारा कैंप लगा कर बांटना शुरु किया जाएगा।

तेज और भारी बारिश और ओलावृष्टि के चलते नौहझील,फरह,गोवर्धन व छाता क्षेत्र में किसानों की गेहूं की खड़ी फसल अधिक नुकसान हुआ था। डीएम सी पी सिंह ने बताया कि गेहूं की पूरी पकी और खड़ी फसल बर्बाद हो गई थी। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों वृंदावन आगमन के दौरान जल्द से जल्द किसानों को मुआवजा दिए जाने के निर्देश दिए थे। उसी क्रम में आज 10 करोड़ शासन से आए हैं। अब यह मुआवजा राशि कैंपों के माध्यम से किसानों को पारदर्शी तरीके से वितरित की जाएगी। सीएम के निर्देश पर जिला प्रशासन ने किसानों की फसलों को हुए नुकसान की सर्वे रिपोर्ट पर शासन ने मुआवजे की पहली किस्त के रूप में 10 करोड़ रुपए भेज दिए हैं। किसानों के साथ इस पीड़ित घड़ी में जन प्रतिनिधि, प्रशासन और शासन किसानों के साथ खड़ा है। डीएम ने बताया कि 73 हजार किसानों ने बीमा भी कराया हुआ है और 40 हजार किसानों ने बीमा कंपनी को बीमे के लिए एप्लाई भी किया हुआ है। जिसमें जांच में 30 हजार किसान पात्र पाए गए हैं उनको भी बीमा कंपनी से पर्याप्त मात्रा में मुआवजा दिलाया जाएगा।

गाड़ियों पर लगवा लो हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

प्रमुख संवाददाता

एक दिन का समय बचा 16 से भारी जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। आपने अपनी गाड़ी पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट नहीं लगवाई है, तो आपके पास केवल एक दिन का समय बचा है। 15 अप्रैल से परिवहन विभाग नियमों को बेहद सख्त करने जा रहा है। अब बिना हाई सिक्योरिटी प्लेट के आपकी गाड़ी का प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में लागू हो रहे इस नियम के अनुसार, प्रदूषण जांच केंद्रों के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया जा रहा है। अब जैसे ही ऑपरेटर आपकी गाड़ी का नंबर सिस्टम में डालेगा, अगर वह नंबर हाई सिक्योरिटी प्लेट डेटाबेस से मैच नहीं हुआ, तो पीयूसी सर्टिफिकेट जेनरेट ही नहीं होगा। बिना वैध पीयूसी के गाड़ी सड़क पर चलाना गैरकानूनी माना जाएगा। पकड़े जाने पर न केवल बिना प्लेट का चालान कटेगा, बल्कि बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट के भी भारी जुर्माना देना होगा। ऐसी गाडियों को सड़क पर चलने के लिए 'अनफिट' माना जाएगा।

आपको नंबर प्लेट के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। आप अपने स्मार्टफोन से ही इसे बुक कर सकते हैं।हाई सिक्योरिटी प्लेट क्यों जरूरी है। इसे आसानी से बदला या निकाला नहीं जा सकता, जिससे गाड़ी चोरी होने का खतरा कम हो जाता है। इसमें एक यूनिक लेजर कोड होता है जो वाहन पोर्टल से जुड़ा होता है। रात के अंधेरे में यह दूर से ही चमकती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कम होता है। जब तक आपकी नई प्लेट लग नहीं जाती, तब तक बुकिंग रसीद को अपने पास रखें। चेकिंग के दौरान रसीद दिखाने पर आपका चालान नहीं कटेगा।

उपलब्धि

पंजाब यूनिवर्सिटी ने विकसित की नई तकनीक

ब्लड टेस्ट से 30 मिनट में अल्जाइमर की पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। मेडिकल विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पंजाब यूनिवर्सिटी के जैव रसायन विभाग ने पीजीआई चंडीगढ़ के सहयोग से एक अत्याधुनिक बायोसेंसर विकसित किया है, जिसकी मदद से अब केवल रक्त नमूने के जरिए अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारी की पहचान मात्र 30 मिनट में की जा सकेगी। यह तकनीक बीमारी के शुरुआती चरण में ही सटीक पहचान करने में सक्षम है, जिससे समय रहते उपचार शुरू किया जा सकता है।

अब तक अल्जाइमर की जांच के लिए मरीजों को रीढ़ की हड्डी से सेरेब्रोस्पाइनल द्रव निकालने जैसी जटिल, दर्दनाक और महंगी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक की आवश्यकता होती थी, लेकिन नई तकनीक ने इसे बेहद सरल बना दिया है। अब केवल रक्त नमूने के जरिए पैथोलॉजी प्रयोगशाला में जांच

संभव होगी और रिपोर्ट मात्र आधे घंटे में प्राप्त की जा सकेगी। यह तकनीक न केवल आसान है बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी उपयोग की जा सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार अल्जाइमर मरीजों में माइक्रो आरएनए–128 नामक अणु का स्तर सामान्य लोगों की तुलना में काफी अधिक पाया जाता है। इसी आधार पर इस बायोसेंसर को विकसित किया गया है, जो अत्यंत सूक्ष्म स्तर तक इस अणु की पहचान करने में सक्षम है। यह तकनीक उच्च संवेदनशीलता के साथ शुरुआती अवस्था में बीमारी पकड़ने में बेहद प्रभावी है। इस शोध का सफल परीक्षण पीजीआई चंडीगढ़ के न्यूरोलॉजी विभाग में किया गया, जहां मरीजों पर किए गए चिकित्सकीय परीक्षण में यह तकनीक सफल साबित हुई। इस शोध कार्य का नेतृत्व डॉ. निर्मल प्रभाकर और प्रो. रजत संधीर ने किया। इसमें शोध छात्रा सोनिया और पीजीआई न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. एस. कार्तिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह बायोसेंसर न केवल सस्ता है बल्कि इसे छह से सात बार पुनः उपयोग किया जा सकता है। इसे एक महीने तक रेफ्रिजरेटर में सुरक्षित

पीजीआई के सहयोग से हुआ सफल परीक्षण

30 मिनट में मिल सकेगी जांच रिपोर्ट

मरीजों के लिए कम खर्चीली नई सुविधा

रिसर्च टीम ने पेटेंट की तैयारी शुरू की

रखा जा सकता है। शोध टीम ने बताया कि अब वे इस तकनीक के पेटेंट की तैयारी में जुटे हैं और इसके व्यावसायिक उत्पादन के लिए तकनीक हस्तांतरण की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह नवाचार अल्जाइमर जैसी बीमारियों की शुरुआती पहचान में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा और भविष्य में लाखों मरीजों के जीवन को सुरक्षित करने में सहायक सिद्ध होगा।

पंचायत चुनाव : मथुरा में 22 अप्रैल को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

यूनिक समय, मथुरा । राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण की प्रक्रिया जनपद में अंतिम चरण में पहुंच गई है। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंहआदेशानुसार 17 मार्च से शुरू होकर चल रही 21 अप्रैल तक मतदाता सूचियों का कम्प्यूटरीकरण, मतदान केंद्रों का क्रमांकन, वार्ड मैपिंग, मतदाता क्रम एसवीएन आवंटन तथा सूची की डाउनलोडिंग और फोटो प्रतियां तैयार करने का कार्य किया जाएगा । निर्धारित कार्यक्रम के तहत 22 अप्रैल 2026 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन जनसामान्य के लिए किया जा रहा।

यमुना एक्सप्रेस वे पर होने वाले हादसों पर चौंकाने वाली रिपोर्ट

ड्राइवरों की गलती से होते हैं हादसे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। सबसे आधुनिक और तेज माने जाने वाले यमुना एक्सप्रेस वे पर होने वाले हादसों के बारे में आरटीआई के माध्यम से चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। वरिष्ठ अधिवक्ता केसी जैन ने आरटीआई के आधार पर मिली जानकारी को शेयर किया। आरटीआई में बताया गया कि रोजाना औसतन करीब दो हादसे होने का खुलासा हुआ है। हर दिन दो परिवारों के उजड़ने के लिए ओवर स्पीडिंग और थकान के चलते झपकी आना सबसे बड़ी वजह है।

पिछले 14 वर्षों में कुल 8,812 दुर्घटनाएं दर्ज हुई हैं। इनमें सबसे अधिक घटनाएं 2025 में हुई हैं। इनमें नींद और झपकी आने से 3700, ओवरस्पीडिंग से 1319 और टायर फटने से 853 हादसे हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता केसी जैन ने बताया कि आरटीआई से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यमुना एक्सप्रेस वे पर अधिकांश दुर्घटनाएं सड़क की खराबी से नहीं, बल्कि चालक की गलती से हो रही हैं। वर्ष 2012 से 2025 के बीच हुई कुल दुर्घटनाओं में लगभग 42 प्रतिशत मामलों में चालक के सो जाने या झपकी आने को मुख्य कारण पाया गया, जबकि 22.7 प्रतिशत दुर्घटनाएं लापरवाही के कारण हुईं और 15 प्रतिशत मामलों में ओवरस्पीड जिम्मेदार रही। वर्ष 2022 में दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 311 तक आ गई थी, लेकिन इसके बाद यह तेजी से बढ़कर 2025 में 659 तक पहुंच गई। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि 2025 में हुई दुर्घटनाओं में से 57.7 प्रतिशत केवल लापरवाही के कारण हुईं। माना जा सकता है कि एक्सप्रेस वे पर ड्राइविंग अनुशासन तेजी से कमजोर हो रहा है। गलत तरह से ओवरटेकिंग, अचानक ब्रेक लगाना, लेन बदलने में असावधानी और मोबाइल फोन का उपयोग बड़ा खतरा हैं।

ओवरलोडिंग वाहन पकड़े पर क्या कार्यवाही हुई....

यूनिक समय, मथुरा। आरटीआई में जानकारी दी गई है कि वर्ष 2025 में यमुना एक्सप्रेस वे पर कुल 25,731 ओवरलोड वाहन दर्ज किए गए। इनमें से जेवर टोल प्लाजा पर 1315, मथुरा टोल प्लाजा पर 3939 और आगरा टोल प्लाजा पर 20,477 ओवरलोडेड वाहन पाए गए। ओवरलोडेड वाहन में से लगभग 79.58 प्रतिशत केवल आगरा टोल प्लाजा पर पकड़े गए। चिंताजनक यह है कि इन हजारों वाहनों पर क्या कार्रवाई की गई जिसका कोई उल्लेख आरटीआई में नहीं दिया गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाई तकनीक के सीसीटीवी कैमरा

लापरवाही से वाहन चलाना पड़ेगा महंगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली–मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब लापरवाही से वाहन चलाना महंगा पड़ने वाला है। हाईवे पर 360 डिग्री सीसीटीवी और एएनपीआर तकनीक के जरिये हर छोटी–बड़ी गलती सीधे कैमरे में कैद होगी । जिससे नियम तोड़ने वालों पर तत्काल कार्रवाई का रास्ता साफ हो जाएगा।

एनएचएआई की योजना के तहत पूरे 179 किलोमीटर लंबे रूट पर 215 हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे। हर एक किलोमीटर पर 360 डिग्री कैमरा तैनात रहेगा जबकि हर 10 किलोमीटर पर एएनपीआर कैमरे नंबर प्लेट पढ़कर ओवर स्पीड और नियम उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान करेंगे।

इस व्यवस्था का सबसे बड़ा असर आम वाहन चालकों पर पड़ेगा। अब गलत दिशा में ड्राइविंग, अवैध पार्किंग, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के सफर जैसी लापरवाहियां छिप नहीं सकेंगी। कैमरों से मिली जानकारी सीधे पुलिस तक पहुंचेगी जिससे चालान की प्रक्रिया और तेज हो जाएगी।

131 करोड़ खर्च करने पर भी हादसों की संख्या बढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। अधिवक्ता केसी जैन ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुधार के लिए लगभग 131.50 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। इनमें आईआईटी दिल्ली द्वारा किए गए ऑडिट के आधार पर कई तकनीकी उपाय लागू किए गए। जिनमें स्पीड मॉनिटरिंग, रंबल स्ट्रिप्स, बैरियर सुरक्षा और कोहरे के दौरान चेतावनी प्रणाली शामिल हैं। इससे यह तय है कि केवल इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार पर्याप्त नहीं है। जब तक चालक के व्यवहार में बदलाव नहीं आएगा और नियमों का सख्ती से पालन नहीं कराया जाएगा। इन प्रयासों का पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा। स्थिति को सुधारने के लिए औसत गति आधारित चालान प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए। ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई पारदर्शी बनाई जाए। लंबी दूरी के चालकों के लिए अनिवार्य विश्राम नीति लागू की जानी चाहिए।

आग से 15 बीघा फसल जली

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। क्षेत्र में सोमवार दोपहर को खेत में रखी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि एक गांव से दूसरे गांव के खेत भी इसकी चपेट में आ गए। गांव थिरावली निवासी लाखन सिंह, कुलदीप, मांगे, मेहताब आदि किसानों के खेतों की खड़ी और कटी हुई गेहूं की फसल आग की चपेट में आ गई। गांव जमालपुर के मोहन सिंह के खेत को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जमालपुर निवासी सुरेश तरकर ने बताया कि आग के कारण किसानों की गेहूं फसल और भूसा जल गया। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। आग की वजह पता नहीं चली है।

सोशल ऑडिट टीम गठन के लिए साक्षात्कार 15 अप्रैल से

विभिन्न ब्लॉकों में होंगे इंटरव्यू

यूनिक समय, मथुरा। जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे के मुताबिक जिले में सोशल ऑडिट संगठन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न योजनाओं का सोशल ऑडिट कराने के लिए ब्लॉक स्तर पर चार सदस्यीय टीमों का पैनल तैयार किया जा रहा है। यह पैनल वित्तीय वर्ष 2026–27 एवं 2027–28 के लिए तैयार किया जाएगा। इसके अंतर्गत मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित अन्य विभागों द्वारा कराए गए कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर अभ्यर्थियों के साक्षात्कार/विचार हेतु तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। 15 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विकास खंड मांट एवं नौहझील, 16 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विकास खंड बलदेव एवं नंदगांव, 17 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विकास खंड गोवर्धन एवं चौमुंहा,24 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विकास खंड फरह एवं छाता तथा 25 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विकास खंड राया एवं मथुरा में अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। जिला विकास अधिकारी ने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर अपने मूल अभिलेखों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

शातिरों ने दुकान के सामने खड़ी उड़ाई बाइक

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा स्थित सिंडिकेट बैंक वाली गली से शातिर चोर दुकान के सामने खड़ी बाइक को चुराकर ले गये। बाइक चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी। राकेश कुमार की सिंडिकेट बैंक गली में शर्मा बैटरी हाउस के नाम से दुकान है। राकेश बाइक से प्रतिदिन बाइक से अपने गांव से दुकान आता है। रविवार की सायं अज्ञात चोर दुकान के सामने खड़ी बाइक स्प्लेंडर प्लस के हेंडिल लॉक तोड़कर बाइक चुरा ले गये उस समय बाइक स्वामी दुकान के कार्य मे व्यस्त था। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी। पीड़ित ने घटना की तहरीर थाना राया में दर्ज करायी है।

टकराव सचिव–प्रधान विवाद ने लिया कानूनी मोड़

सरकारी भुगतान को लेकर टकराव मामले ने पकड़ा तूल

कई धाराओं में एफआईआर दर्ज

प्रधान पुत्र पर 151 की कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड फरह क्षेत्र की ग्राम पंचायत कवाइला में भुगतान को लेकर कहासुनी से शुरू हुआ विवाद अब कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गया है। ग्राम पंचायत अधिकारी (सचिव) मेम्बर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं परखम चौकी इंचार्ज केपी सिंह ने बताया कि मामले में प्रधान के पुत्र के विरुद्ध धारा 151 के तहत कार्रवाई भी की गई है।

विवाद के बाद ताला बंद, ग्राम सचिवालय का नजारा।

सचिव की तहरीर के अनुसार प्रधान लाखन सिंह और उनके पुत्र अमित कुमार पर आरोप है कि ग्राम प्रधान और उनके पुत्र ने सरकारी कार्यों के भुगतान को लेकर दबाव बनाया। विरोध करने पर गाली–गलौज, मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया। आरोप यह भी है कि सचिवालय परिसर में घुसकर अभिलेख छीनने और सरकारी फाइल लेकर जाने का प्रयास किया गया।

एफआईआर दस्तावेज में घटना 9 मार्च की दर्ज है, जब सचिव कार्यालय में कार्य कर रहे थे। इसी दौरान प्रधान अपने पुत्र के साथ पहुंचे और विवाद बढ़ गया। ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर से बाहर निकलते समय आरोपियों द्वारा रास्ता रोकने और जबरन गाड़ी से खींचने तथा सरकारी दस्तावेज छीनने के आरोपों के साथ तहरीर दी गई थी।

जबकि मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी पंचायत सहायक सत्यपाल सिंह (कवाइला) और कृष्णवीर सिंह (झुड़ावई) के अनुसार घटना 9 अप्रैल की बताई गई है। पुलिस के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। परखम चौकी इंचार्ज ने कहा कि स्थिति को देखते हुए तत्काल शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रधान पुत्र पर 151 की कार्रवाई की गई है। फिलहाल पूरे प्रकरण की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों और उपलब्ध वीडियो के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना ने एक ओर ग्राम पंचायतों में कार्य प्रणाली और सुरक्षा को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। तो वहीं दूसरी ओर इस घटना की तिथि को लेकर दो अलग–अलग दावे सामने आए हैं जिसने मामले में सस्पेंस बढ़ा दिया है

आप पार्टी का सौ सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य: रवि प्रकाश

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय वैश्य महासभा की बैठक में समाज की राजनैतिक भागीदारी बढ़ाने, संगठन के विस्तार और आगामी सामाजिक कार्यक्रमों को लेकर कई निर्णायक कदम उठाए गए। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल ने समाज को संगठित होने का आहवान किया। कहा कि "हमारा मुख्य लक्ष्य आगामी चुनावों में 100 सीटों पर अपने वैश्य बंधुओं को चुनाव लड़ाना है। समाज को राजनैतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए हम सभी वर्गों को एक मंच पर इकट्ठा करने का संकल्प लेते हैं। राष्ट्रीय महासचिव संजीव वार्ष्णेय बंटी बाबू ने घोषणा की कि 9 एवं 10 मई को एटा में 'युवक–युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन' एवं 'सम्मान समारोह' होगा।

तापमान / मौसम

26 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,51,510

22 कैरेट 1,39,389

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,37,480 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें) वाट्सऐपः 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–2420150, मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ठगी का अनोखा अंदाज

शातिर गैंग हजारों महीने का लालच देकर करते थे ठगी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। आगरा में "कमाई का आसान मौका" बताकर लोगों को फंसाने वाले एक शातिर गैंग का पर्दाफाश हुआ है। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र की पुलिस ने कार किराए पर लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों धीरज कुमार और हनुमंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की कार्रवाई में इस गैंग के पास से 12 कारें, एक मोबाइल फोन

फर्जी दस्तावेजों से गाड़ियां रख देते थे गिरवी

और कई कूटरचित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। यह गैंग लोगों को हर महीने 25 से 30 हजार रुपये किराये का लालच देता था और भरोसा दिलाता था कि गाड़ी की पूरी जिम्मेदारी ड्राइवर से लेकर मेंटेनेंस तक वे खुद संभालेंगे।

शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए आरोपी 1–2 महीने तक समय पर किराया भी देते थे। लेकिन जैसे ही गाड़ी उनके कब्जे में आ जाती, वे भुगतान बंद कर देते और फिर शुरू होता था असली खेल। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी फर्जी दस्तावेज और नकली हस्ताक्षरों के जरिए गाड़ियों को दूसरे लोगों के पास गिरवी रख देते थे। इसके बाद मोटी रकम लेकर आपस में बांट लेते थे। इस तरह वे कई लोगों को अपना शिकार बना चुके थे।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से एक मोबाइल फोन, दो आधार कार्ड की छायाप्रति, एक स्टाम्प पेपर और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। साथ ही उनकी निशानदेही पर 11 और गाड़ियां बरामद की गईं, जिससे कुल बरामद वाहनों की संख्या 12 हो गई। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। संभावना है कि इस गिरोह का नेटवर्क और भी बड़ा हो सकता है।

पुलिस से धक्का मुक्की, गाली गलौज के मामले खनन माफिया पर मुकदमा

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। पुलिस से अभद्रता और खींचतान में मिट्टी खनन माफिया पर मुकदमा दर्ज हो गया है। पुलिस की ओर से दर्ज किए गए मुकदमे में तीन नामजद और कई अज्ञात शामिल हैं। पुलिस अब आरोपियों की तलाश कर रही है।

उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि शनिवार रात को वह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मखदूम से मिट्टी खनन करके झंडीपुर गांव की ओर मिट्टी ले जाने की सूचना मिली तो वह रात पौने दस बजे गांव शाहपुर पहुंचे। भूसे की ट्राली आने की वजह से मिट्टी से भरा ट्रैक्टर दिखाई दिया। पुलिस को देखकर चालक ने मिट्टी भरे ट्रैक्टर को गहरी जमीन में उतार दिया, जिससे ट्रैक्टर ट्राली समेत फंस गया। यह देखकर उन्होंने कस्बा प्रभारी अजय मलिक और अन्य पुलिस कर्मियों को मौके पर बुलाया। उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार के अनुसार, सभी पुलिस वाले गहरी जमीन में फंसे ट्रैक्टर ट्राली को निकाल रहे थे, तभी ट्रैक्टर मालिक गांव मखदूम निवासी विजय आया और ट्रैक्टर के आगे खड़ा हो गया। थाने को ट्रैक्टर लेकर कहा पर नहीं माना और अमरचंद्र, राकेश के अलावा अन्य लोगों को भी बुला लिया। यह सभी आरोपी पुलिस कर्मियों से धक्का–मुक्की करने लगे। इसी दौरान

शनिवार रात मिट्टी खनन की जानकारी पर पुलिस पहुंची थी गांव शाहपुर

मिट्टी खलाकर पुलिस से अभद्रता करके ट्रैक्टर ले भागे थे खनन माफिया

इंटरनेट मीडिया पर छाया प्रकरण

गांव शाहपुर में पुलिसकर्मियों से अभद्रता और धक्का-मुक्की व गाली गलौज से जुड़ा यह प्रकरण इंटरनेट मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो में आरोपित पुलिसकर्मियों से जमकर धक्का–मुक्की करते दिखाई दे रहे हैं।

आरोपित राकेश ट्रॉली में भारी मिट्टी को प्रेशर सिस्टम से खलाकर ट्रैक्टर लेकर भाग गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किया तो सभी धक्का-मुक्की करने लगे। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया कि सरकारी काम में बाधा और पुलिस कर्मियों से धक्का-मुक्की के प्रकरण में तीन नामजद और कई अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है, गिरफ्तारी के लिए टीम में लगाई गई हैं।

तापमान 36 डिग्री पहुंचने से गर्मी बढ़ी

दिन में चटक धूप से लोग होने लगे बेहाल

धूप से बचने के लिए छाता लगाकर चलती छात्राएं। चटक धूप से बचने के लिए सिर पर साफी का सहारा लेकर चलती छात्र।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को दोपहर के वक्त तापमान 36 डिग्री सेल्यिस तक पहुंच गया। इस कारण सड़क पर काम करने के लिए निकले लोगों को चटक धूप का अहसास होने लगा। किसी ने छाता का सहारा लिया तो किसी ने कपड़े का। सूखे गले को तर करने के लिए पानी भी पिया।

आसमान में उड़ते पक्षी भी घुसे घौंसलों में

कान्हा की नगरी में पिछलों बदले मौसम के कारण तापमान में गिरावट आ गई थी। बारिश और ओलावृष्टि के कारण लोगों को ठंड का भी अहसास होने लगा था। कई घरों में पंखा और एसी बंद हो गए थे। बदले मौसम के कारण बीमारी फैलने लगी। सरकारी और निजी अस्पतालों में रोगियों की संख्या में इजाफा दिखाई देने लगा। बारिश थमने के बाद अब भगवान भास्कर के तल्ख तेवर दिखाई देने लगे हैं। सुबह से लेकर सायं तक आसमान से आग सी बरस रही है। घरों के बाहर निकलने वाले लोगों के शरीर में धूप चुभन सी पैदा कर रही है। आसमान में उड़ने वाले पक्षी भी धूप से बचने के लिए अपने घौंसलों में घुसने लगे हैं।

तेज धूप से बचने के लिए लोगों जूस, गन्ना का रस और नीबू पानी का सेवन शुरु कर दिया है। बाजार में पानी की बिक्री भी बढ़ गई है। आने वाले समय में तापमान और वृद्धि होने का अनुमान है, जिसके बाद गर्मी बढ़ जाएगी।

खरौंठ में बाइक सवार से की मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के गांव खरौंठ में बाइक से जाते एक युवक का कई लोगों ने रास्ता रोकर कर उसके साथ गाली गलोज करते हुए मारपीट की। बचाने के लिए आए अन्य लोगों को पीटा जिससे एक महिला व बच्चे सहित चार लोग घायल हो गए। गांव नगला अलीपुर भाग खरोंठ निवासी मुजाहिद उर्फ साजिद 10 अप्रैल को अपने चार साल के बेटे अरहम को लेकर मोटर साइकिल से खरौंठ से गांव के लिए जा रहा था। रास्ते में हक्कू के मकान के समीप उसे नगला अलीपुर के

बचाने आए परिवार के लोगों सहित चार घायल

मुबारिक, ताहिर सहित कई लोगों ने रोक लिया। इन लोगों ने उसके साथ लाठी डंडों और लात घूंसों से बुरी तरह से मारपीट की। शोर सुनकर उसका भाई सत्तार सहित अन्य लोग उसे बचाने के लिए पहुंचे। मुजाहिद उर्फ साजिद उसका बेटा अरहम, सत्तार, सुमई को हमलावरों ने बुरी तरह से घायल कर दिया। इस मामले में सत्तार ने हमलावरों के खिलाफ कोसीकलां में तहरीर दी है।

पत्नी पर गोली चलाने वाला पति गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने पत्नी पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर करने वाले पति को गिरफ्तार किया। थाना यमुनापार में महिला ने अपने पति के खिलाफ हाथ में तमंचा लेकर जानसे मारने की नीयत से उस पर फायर करने वाले पति संदीप निवासी मातावाली गली लक्ष्मीनगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया गया कि तमंचे से फायर करने के दौरान पत्नी ने तमंचे को ऊपर कर दिया, जिससे उसकी जान बच गई थी। इसके बाद पति घर से धमकी देकर चला गया। पुलिस ने इस मामले में गोली चलाने वाले पति संदिप चेकिंग के दौरान कुआं वाली गली लक्ष्मीनगर बगीची के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा और कारतूस भी बरामद हुए हैं।

जिले में नकली मिठाईयों पर छापा, लाखों का सामान सील

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मिलावटी मिठाइयों के खिलाफ खाद्य विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। अधिकारियों की टीम ने छापेमारी कर एक अवैध मिठाई बनाने की जगह पकड़ी, जहां बेहद खराब हालत में मिठाई तैयार की जा रही थी। जयसिंहपुरा इलाके में बिरला मंदिर के पास चल रही इस फैक्ट्री में डोडा बर्फी गंदगी के बीच बनती मिली। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नमूने लिए और बड़ी मात्रा में सामान जब्त कर लिया। मौके से करीब 97 किलो डोडा बर्फी, 17 टीन रिफाइंड तेल, 750 किलो चीनी, 500 किलो सूजी और 200 किलो अंगूरी आटा सीज किया गया।

जब्त सामान की कीमत करीब 1.27 लाख रुपये बताई गई है। इसके बाद

गंदगी में बन रही डोडा बर्फी, पेड़ा नष्ट, नमूने जांच को भेजे

टीम छटीकरा स्थित अग्रवाल स्वीट पहुंची, जहां पेड़ा का नमूना लिया गया और करीब 12 किलो खराब पेड़ा नष्ट कराया गया। वहीं गांव हरनौल की एक डेयरी से पनीर का नमूना भी लिया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए लैब भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। गर्मी बढ़ने के साथ मिठाइयों की मांग बढ़ गई है, लेकिन कई दुकानदार नियमों को नजरअंदाज कर रहे हैं। शहर से लेकर गांव तक मिठाइयां खुले में बेची जा रही हैं। कई जगह रंगीन मिठाइयां भी बिक रही हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

बैसाखी और अंबेडकर जयंती पर रंगारंग प्रस्तुतियों ने मनमोहा

नृत्य की प्रस्तुति देते एलीट न्यू जेनरेशन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एलीट न्यू जेनरेशन इंटरनेशनल स्कूल में बैसाखी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर विद्यालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किए गए । छात्रों ने पारंपरिक परिधानों में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पंजाब का प्रसिद्ध लोकनृत्य शैली भांगड़ा एवं गिद्धा का आकर्षक प्रदर्शन शामिल रहा। छात्रों ने बैसाखी एवं अंबेडकर जयंती के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्र–छात्राओं में हितार्थ, ध्रुव, युग, मयूरेश, लॉरेन सैनी,अवनि, शिवान्या, जान्हवी, विदिका, इशिका वर्मा, पाखी , शालू, लावण्या एवं मंजिरी शामिल थी। चेयरमैन दिनेश चंद अग्रवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपराओं के प्रति जागरूकता विकसित करते हैं। निदेशक श्रीमती संगीता अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों की भागीदारी सराहनीय है और यह उनके सर्वांगीण विकास का प्रतीक है। निदेशक रितेश अग्रवाल ने छात्रों के उत्साह एवं अनुशासन की प्रशंसा की। प्रधानाचार्य अंकित खंडेलवाल ने विद्यार्थियों को डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। एडमिनिस्ट्रेटर मुकेश चौधरी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। ओएसडी डॉ. सौरभ तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को विकास करते हैं।

राम एक के नहीं, सनातन धर्म की हैं प्रतिमूर्ति

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। राम किसी एक के नहीं है, राम तो सनातन धर्म की प्रतिमूर्ति है। बालक राम के अयोध्या में जन्म लेने से समूचा वातावरण पुलकित हो रहा है। अयोध्या में उत्सव हो रहा है, घर–घर उत्सव चल रहे हैं, राम के जन्म से सर्व आनंद हो रहा है। श्री राम कथा शुभारंभ से पहले आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने गो पूजन किया। राम कथा के दौरान भी श्रद्धालुओं को गौ की महत्ता बताई और गो पालन, गोरक्षा पर जोर दिया। सोमवार को गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने भगवान राम और उनके भाइयों की बाल लीलाओं से श्रद्धालुओं को जोड़ा तो वातावरण पुलकित हो उठा। संगीत और भजन के साथ बाल कांड की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि राम कथा के तो रसिक भगवान महादेव, संत और सनातनी है। आचार्य ने कहा कि संवत 1631 में रामचरितमानस का प्रकटीकरण हुआ, इसी तिथि को राम का भी जन्म हुआ। ऐसे में रामचरितमानस भौतिकवादी युग में अमृत के समान है। बालक राम की सुबह की नींद और माता कौशल्या की लोरी की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा वातावरण देवताओं को मोहित कर रहा है, अयोध्या में चारों तरफ हर्ष छाया हुआ है। श्री राम और चारों भाइयों के नामकरण की कथा सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि राजा दशरथ गुरु आश्रम में गए, पूजन करने के बाद गुरु वशिष्ठ से चारों बालकों के नामकरण का आग्रह किया। गुरु वशिष्ठ ने गुण और ज्योतिषीय गणना के बाद चारों भाइयों का नामकरण किया। लक्ष्मण क्रोधित हैं, लेकिन वह भाई राम के लिए संत हैं। व्यास गदी का पूजन यजमान सुरेश कौशिक, सतीश अवाना, वीना लवानिया, रविंद्र नागर, गीतांबर आनंद, महेंद्र खाली, राहुल शर्मा, संतोष मिश्रा, राकेश बजरंगी, हरपाल सिंह, मुरारी अग्रवाल, श्याम सिंघल, राकेश लोधी, किशोर गुप्ता, उमेश बाबू, उमेश बहादुर, राम खिलाड़ी, आदि ने किया। कथा में हाई कोर्ट के जज चितरंजन दास, मंत्री केपी मलिक, आगरा मेयर हेमलता दिवाकर, राज्य सभा सदस्य तेजवीर सिंह, सांसद अनुज प्रधान, विधायक अमित अग्रवाल, मेघश्याम सिंह, भगत सिंह बघेल, छोटेलाल बंसल, सुनील गर्ग, डा. हरी भदौरिया, सोहनलाल दीक्षित, सुनील पाठक आदि श्रद्धालु मौजूद रहे। संचालन पवन दत्त मिश्रा और प्रमोद पांडे ने किया।

झगड़े में पति ने पत्नी को पीटा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे की हंसराज कालोनी में रहने वाली एक महिला का पति के साथ विवाद हो गया। पति द्वारा की गई मारपीट से घायल हुई महिला की मौत हो गई। महिला अपने दो बच्चों को अकेला छोड़ गई। परिवार के लोगों ने उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

थाना हाइवे की हंसराज कालोनी में रहने वाली महिला प्रीति मूल रूप से गांव राल की रहने वाली थी। उसकी शादी लेखराज के साथ वर्ष 2013 में हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। लेखराज पर आरोप है कि वह शराब का अधिक सेवन करता और गलत गतिविधियों में शामिल रहता है। इस बात को लेकर पति पत्नी के बीच अकसर झगड़े होते रहते थे। कल भी लेखराज शराब पीकर घर आया और उसका प्रीति के साथ

पत्नी की हुई मौत परिवार के लोगों ने हत्या का लगाया आरोप

झगड़ा हुआ। पति ने पत्नी के साथ बुरी तरह से मारपीट की जिससे उसकी हालत खराब हो गई। प्रीति को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के परिवारीजनों ने पति पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह का कहना है कि महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता लगेगा। रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय पैथोलॉजी दिवस

सटीक जांच से स्वस्थ जीवन संभव: डॉ. शिखा व्यास

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर स्थित एस.वी. साइंटिफिक पैथोलॉजी में पैथोलॉजी दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर विशेष संदेश दिया गया। संस्थान की निदेशक डॉ. शिखा व्यास ने बताया कि किसी भी बीमारी के सही उपचार की शुरुआत सटीक जांच और समय पर निदान से होती है, जिसमें पैथोलॉजी की भूमिका बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि एस.वी. साइंटिफिक पैथोलॉजी में आधुनिक तकनीकों और अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से रक्त, मूत्र, जैव–रासायनिक और हार्मोन से संबंधित सभी प्रकार की जांचें उच्च गुणवत्ता के साथ की जाती हैं। इससे मरीजों को विश्वसनीय और समयबद्ध रिपोर्ट मिलती है, जो उपचार को प्रभावी बनाने में मदद करती है। डॉ. व्यास ने लोगों से कहा कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, ताकि गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पारदर्शिता और गुणवत्ता ही संस्थान की पहचान है। इस अवसर पर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और जागरूक हने का संदेश भी दिया गया।

हादसे में घायल युवक की अस्पताल में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र स्थित अल्लैहपुर फ्लाइओवर के समीप दुर्घटना में घायल हुए बाइक सवार युवक की आज तीसरे दिन इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। छटीकरा का रहने वाला युवक अभिमन्यु (21) पुत्र दिंगबर 10 अप्रैल को बाइक से हाइवे पर होकर जा रहा था। रास्ते में हाइवे पर अल्लैहपुर के फ्लाइ ओवर के समीप तेज गति से आते किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हुए अभिमन्यु को सिटी अस्पताल मे इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान आज उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। अभिमन्यु पूर्व में मरचेंट नेवी में सर्विस कर चुका है।

समाजवादी पार्टी का अनोखा विरोध प्रदर्शन

ढोल–मजीरे और घड़ियाल की कलेक्ट्रेट पर गूंज

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते सपाई।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी ने राजकीय छात्रावास से पैदल मार्च कर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर ढोल–मजीरे और घड़ियाल बजाकर प्रशासन को कुंभकर्णी नींद से जगाने का काम किया। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ और युवा नेताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें स्मार्ट मीटर, पीड़ित किसान और कालाबाजारी जैसे प्रमुख मुद्दों का समाधान करने पर जोर दिया गया। ज्ञापन में स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने, ओलावृष्टि से तबाह हुई फसलों का सम्मानजनक मुआवजा सीधे किसानों के खातों में भेजने, मथुरा को तत्काल 'आपदा ग्रस्त' घोषित करने कृषि ऋण माफ करने की मांग की। कलेक्ट्रेट परिसर में सपाइयों ने ढोलक और मजीरे की थाप पर सरकार विरोधी नारे लगाए। "जनता त्रस्त है, प्रशासन उत्सवों में व्यस्त है" इस सांकेतिक शोर के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि यदि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान नहीं हुआ, तो यह गूंज आने वाले समय में एक बड़े जन–आंदोलन का रूप लेगी।

प्रदर्शन करने वालों में यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव भारत भूषण शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र ठाकुर, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश महासचिव राजन रिजवी , प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव, ठाकुर किशोर सिंह,अनिल अग्रवाल, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव पवन चौधरी, अध्यक्ष मुन्ना मलिक पार्षद, तनवीर अहमद, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड महानगर अध्यक्ष इमरान अब्बास, अंकित वार्ष्णेय तथा मुकेश सिकरवार आदि शामिल थे।

जूनोटिक डिजीज पर जीएलए में होगा बड़ा शोध कार्य

उपलब्धि: बायोटेक प्रोफेसरों को मिला 73.51 लाख का राष्ट्रीय प्रोजेक्ट

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की बायोटेक विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुजा मिश्रा (प्रमुख अन्वेषक) तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वरूप कुमार पाण्डेय को "जूनोटिक डिजीज इंटीग्रेटेड अप्रोचेज टू डायग्नोसिस कंट्रोल एंड प्रिवेंशन" विषय पर एक महत्वपूर्ण ट्रेनिंग एवं रिसर्च परियोजना हेतु 73.51 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह परियोजना डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा प्रायोजित है।

यह उपलब्धि न केवल डॉ. अनुजा मिश्रा और डॉ. स्वरूप कुमार पाण्डेय की एकेडमिक एवं रिसर्च एक्सीलेंस का प्रमाण है, बल्कि जीएलए विश्वविद्यालय की सुदृढ़ रिसर्च क्षमता

डॉ. अनुजा मिश्रा और डॉ. स्वरूप कुमार पाण्डेय

और राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती पहचान को भी दर्शाती है। 73.51 लाख रुपये की यह परियोजना जूनोटिक डिजीज के क्षेत्र में ट्रेनिंग, जागरूकता और एडवांस्ड रिसर्च को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदान की गई है।

जूनोटिक डिजीज वे संक्रामक रोग होते हैं जो पशुओं से मनुष्यों में फैलते हैं। हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर इन रोगों के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। ऐसे में इन रोगों की प्रारंभिक पहचान, कंट्रोल और रोकथाम अत्यंत आवश्यक हो गई है।

भारत जैसे देश में, जहाँ पशुपालन और कृषि बड़ी आबादी की आजीविका का आधार हैं, जूनोटिक डिजीज का प्रभाव और भी व्यापक हो सकता है। इसी संदर्भ में यह परियोजना "वन हेल्थ" अवधारणा को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डॉ. अनुजा मिश्रा और डॉ. स्वरूप कुमार पाण्डेय ने बताया कि यह परियोजना भविष्य के स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर रोग नियंत्रण प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड अप्रोच अपनाकर ही जूनोटिक डिजीज की चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव है।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने डॉ. अनुजा मिश्रा और डॉ. स्वरूप कुमार पाण्डेय को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना विश्वविद्यालय की रिसर्च कल्चर को और सुदृढ़ करेगी तथा विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए नए अवसर उत्पन्न करेगी।

विश्वविद्यालय में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए पहले से ही आधुनिक प्रयोगशालाएँ और संसाधन उपलब्ध हैं। इस नए ग्रांट से इन सुविधाओं में और विस्तार होगा तथा इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च-अंतरविषयी रिसर्च को प्रोत्साहन मिलेगा। डॉ. अनुजा मिश्रा ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल ट्रेनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि एक टिकाऊ और प्रभावी मॉडल विकसित करना है, जिसे अन्य संस्थानों और राज्यों में भी अपनाया जा सके।

बायोटेक विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह ने कहा कि 73.51 लाख रुपये की यह परियोजना जीएलए विश्वविद्यालय तथा डॉ. अनुजा मिश्रा और डॉ. स्वरूप कुमार पाण्डेय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डीएचआर और आईसीएमआर के सहयोग से संचालित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आने वाले समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जीएलए के डीन रिसर्च प्रो. कमल शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि समर्पित प्रयास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संस्थागत सहयोग से स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। जीएलए विश्वविद्यालय की यह सफलता निश्चित रूप से अन्य शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र होगा और मजबूत

महिलाओं को मिलेगा निर्णयकर्ता का अधिकार

पत्रकारों से वार्ता करते भाजपा की महिला पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर जिला इकाई द्वारा सोमवार को नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत एक प्रेस कार्फनेंस आयोजित हुई। इसमें महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व सशक्तिकरण और भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं महानगर की मंत्री कल्पना गर्ग ने कहा कि देश में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन संसद और विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी संतुलित नहीं है, जिसे समाप्त करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 एक ऐतिहासिक कदम है।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं महानगर मंत्री पूजा चौधरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई यह पहल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह संवैधानिक संशोधन केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान का राष्ट्रीय संकल्प है।

जिला उपाध्यक्ष मुदिता शर्मा ने कहा कि जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती है और नीतियां अधिक समावेशी व संवेदनशील बनती हैं। जिला उपाध्यक्ष मनीष पाराशर ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। पत्रकार वार्ता में पार्षद नीलम गोयल, सीए निकिता रुहेला, सीए पायल खंडेलवाल, डॉ झूमि कुलश्रेष्ठ भागवत आचार्य हरिवर्षा कौशल, अंतिमा, रेखा सांवलिया, प्रतिभा सिंह, विजयलक्ष्मी, भारती वार्ष्णेय, प्रियंका उपाध्याय एडवोकेट एवं प्रतिभा शर्मा आदि ने भाग लिया।

किशोरी रमण डिग्री कॉलेज में अंबेडकर जयंती पर व्याख्यान

सामाजिक उत्थान पर हुआ मंथन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल का स्वागत करती प्राचार्या पल्लवी सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि केआर कॉलेज के प्रो. राजेश अग्रवाल ने डॉ. अंबेडकर के जीवन और विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के सशक्त समर्थक थे।

प्राचार्या प्रो. पाल्लवी सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने संघर्ष और विचारों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को नई दिशा दी और समानता का संदेश दिया। समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.अनुपम मिश्रा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शोषित और वंचित वर्गों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस मौके पर डॉ.आम्रपाली आदि उपस्थित थे।

के.डी. मेडिकल कॉलेज में हुई राष्ट्रीय इंटर मेडिकल कॉलेज पैथ-आर्ट: 3.0 प्रतियोगिता

छात्रों ने पैथोलॉजी पर रचनात्मक प्रतिभा दिखाई

मेडिकल छात्र-छात्राओं ने पैथोलॉजी की खूबियों पर साझा किए विचार

यूनिक समय, मथुरा। छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता, ज्ञान और शोध क्षमताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के पैथोलॉजी विभाग द्वारा सोमवार को राष्ट्रीय पैथोलॉजी दिवस पर राष्ट्रीय यूजी लेवल इंटर मेडिकल कॉलेज पैथ-आर्ट: 3.0 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने वीडियो के माध्यम से पैथोलॉजी की महत्ता और खूबियों पर अपने विचार साझा किए।

इंटर मेडिकल कॉलेज पैथ-आर्ट: 3.0 प्रतियोगिता का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते तथा मंचासीन अतिथि।

प्रतियोगिता का शुभारम्भ केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, प्रति-कुलपति डॉ. गौरव सिंह, डॉ. हरेन्द्र कुमार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजी एण्ड माइक्रोबायलॉजी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, विभागाध्यक्ष पैथालॉजी डॉ. प्रणीता जसवंत सिंह, डॉ. संगीता सिंह आदि ने मां सरस्वती तथा पैथोलॉजी के जनक डॉ. वसंत राव खानोलकर के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि पैथोलॉजी चिकित्सा उपचार की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि शरीर की संरचना और उसकी कार्यविधि की जानकारी होना प्रत्येक मेडिकल विद्यार्थी के लिए अति आवश्यक है क्योंकि डॉक्टर का काम ही उचित जांच निदान पर निर्भर होता है।

इस अवसर पर प्राचार्य और डीन डॉ. आर.के. अशोका ने पैथोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य विभागाध्यक्षों से भी इस तरह के आयोजन करने का आह्वान किया। डॉ. अशोका ने कहा कि मरीज के शरीर के किस अंग में समस्या है या सही कार्य नहीं कर रहा, इसकी जानकारी पैथोलॉजी से ही मिल सकती है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं से भारतीय पैथोलॉजी के जनक डॉ. वसंत राव खानोलकर के कृतित्व से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय इंटर मेडिकल कॉलेज पैथ-आर्ट: 3.0 प्रतियोगिता में बरेली, सैफई हापुड़, मथुरा, पीलीभीत, मेरठ, ग्रेटर नोएडा आदि से आए प्रतिभागी मेडिकल छात्र-छात्राओं ने शरीर के आंतरिक हिस्सों में फैलने वाले विभिन्न रोगों की जांच में प्रयोग होने वाली तकनीकों और यंत्रों की जानकारी वीडियो विजुअल के माध्यम से दी। निर्णायकों ने सभी ग्रुप प्रतिस्पर्धियों से प्रश्न पूछते हुए उनका बौद्धिक मूल्यांकन किया तथा परिणाम घोषित किए। अतिथियों ने विजेता तथा उपविजेता छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र तथा ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया।

केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल तथा प्रति-कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने पैथोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता की सराहना करते हुए विजेता छात्र-छात्राओं के साथ ही सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने ऐसे शैक्षिक कार्यक्रमों को एमबीबीएस छात्र-छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी बताया। के.डी. मेडिकल कॉलेज में हुई पैथ-आर्ट: 3.0 प्रतिस्पर्धा की सफलता में आयोजन सचिव डॉ. संगीता सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. अम्बरीश कुमार, डॉ. जी. यामिनी प्रिया, डॉ. योगिता सिंह, डॉ. आकांक्षा अग्रवाल, डॉ. सोनम बिलावारिया, डॉ. निखिल मेहरोत्रा, डॉ. शुभम सोलंकी आदि का अहम योगदान रहा। अंत में आयोजन समिति की सचिव डॉ. संगीता सिंह ने सभी का आभार माना।

श्री श्याम सुंदर धानुका में मनाई गई बैसाखी एवं अंबेडकर जयंती

श्री श्याम सुंदर धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में प्रस्तुति देती बालिकाएं।

यूनिक समय, वृंदावन। श्री श्याम सुंदर धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में वैशाखी पर्व छात्र-छात्राओं ने मनाया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक लोक नृत्य, गिद्दा नृत्य एवं भांगड़ा किया। विद्यार्थियों ने कहा कि बैशाखी का पर्व भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण क्यों है।

इसी के साथ डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर छात्राओं ने संविधान की शपथ लेकर अपने कर्तव्यों का पालन करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर कोर्डिनेटर नेहा शर्मा, प्रधानाचार्य के के तिवारी, अध्यक्ष अनिल गोस्वामी, प्रबंधक पद्मनाभ गोस्वामी, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र गौतम, सोहन झा आदि उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

मैं, विष्णु दयाल, पिता JC-385883H, सूबेदार अभिषेक कुमार राय, जो Unit-1 Corps Signal Regt (A), C/o- 56 APO में सेवारत हैं, और जिनका स्थायी पता ग्राम-जैतपुरा, तहसील-भाटपार रानी, जिला-देवरिया, राज्य-यू.पी., पिन-274704 है, ने शपथ पत्र संख्या IN-UP63881343379417Y दिनांक 21 जनवरी 2026 के माध्यम से अपना नाम 'विष्णु दयाल राय' से बदलकर 'विष्णु दयाल' कर लिया है।

नाम परिवर्तन

मैं, नूतन राय, पत्नी JC-385883H, सूबेदार अभिषेक कुमार राय, जो Unit-1 Corps Signal Regt (A), C/o- 56 APO में सेवारत हैं, और जिनका स्थायी पता ग्राम-जैतपुरा, तहसील-भाटपार रानी, जिला-देवरिया, राज्य-यू.पी., पिन-274704 है, ने शपथ पत्र संख्या IN-UP63882104973595Y दिनांक 21 जनवरी 2026 के माध्यम से अपना नाम 'नूतन' से बदलकर 'नूतन राय' कर लिया है।

ऑटो पार्टस की दुकान में लगी आग

पांच लाख का सामान जलकर खाक

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कस्बे में पैगांव रोड स्थित एक ऑटोपार्टस की दुकान में बीती रात लगी आग से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दुकान में आग लगने के कारणों का पता नहीं लग सका है। आग से हुए नुकसान से दुकानदार परिवार सड़क पर आ गया है।

आग लगने के बाद खड़े व्यापारी।

छाता निवासी आरिफ की पैगांव रोड पर ऑटो- स्पेयर पार्टस की दुकान है। बताया गया कि वह कल रात साढ़े आठ बजे दुकान को अच्छी तरह बंद करने के बाद घर को चला गया। वह घर पर सो रहा था। इसी बीच उसे फोन पर सूचना मिली की दुकान में आग लग गई है। दुकान में आग लगने की सूचना पर उसके परिवार में हड़कंप मच गया। आरिफ दौड़ता हुआ दुकान पर पहुंचा। दुकान से आग की तेज लपटें निकल रही थी। फायर ब्रिगेड को भी आग की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू किया, लेकिन उस समय तक दुकान में रखा लाखों का सामान जल चुका था। आरिफ का कहना है कि दुकान में आग कैसे लगी। दुकान में न तो बिजली का कनेक्शन है और ना ही उसने दुकान में कोई अगरबत्ती और मोमबत्ती जलाई थी। उसका कहना है कि दुकान में किसी शरारती तत्व ने नुकसान पहुंचाने के इरादे से आग लगाई है। आग

शरारती तत्वों पर दुकान में आग लगाने का शक

से दुकान में रखा करीब पांच लाख रुपये का सामान जल गया। दुकानदार का कहना है कि उसने कर्ज लेकर दुकान में सामान भरा था। आग लगने से उसके पास न तो दुकान में सामान भरने के लिए कोई रकम है उल्टे उसे कर्ज को चुकाना भी मुश्किल हो जाएगा। पीड़ित ने प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है जिससे वो दोबारा दुकान चला कर अपने परिवार का पेट पाल सके। पुलिस दुकान में लगी आग की घटना की जांच कर रही है।

सात दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण का शपथ के साथ समापन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु एवं शिक्षा संस्थान के कुलपति प्रो. अभिजीत मित्रा स्काउट के बारे में पाठ पढ़ाते हुए।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज, गोकुल में 7 से 13 अप्रैल तक आयोजित सात दिवसीय बेसिक एवं एडवांस स्काउट प्रशिक्षण का समापन स्काउट-गाइड कैप्टन द्वारा सर्वधर्म सभा एवं शपथ ग्रहण के साथ संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु एवं शिक्षा संस्थान के कुलपति प्रो. अभिजीत मित्रा ने कहा कि स्काउटिंग हमें टीम भावना, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और नेतृत्व कौशल के साथ कार्य करना सिखाती है।

यह गतिविधि छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ.कमल कौशिक ने कुलपति का

स्काउटिंग से विकसित होती है टीम भावना:कुलपति

स्काउट स्कार्फ पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी चौमुहा कैलाश चंद शुक्ला और हिंदुस्तान कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. मनीष गुप्ता का भी स्कार्फ पहनाकर सम्मान किया गया। निखिल अग्रवाल ने माध्यमिक विद्यालयों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्काउटिंग से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रीति,जोगेंद्र सिंह, निखिल अग्रवाल, वीरेंद्र उपाध्याय, दयाराम शर्मा, यशपाल चौधरी, हरिओम गुप्ता, अशोक सोलंकी, गोवर्धन दास गुप्ता,पवन चौधरी,मनोज रावत, हेमंत शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन नरेंद्र ने किया

मथुरा में धारा 163 लागू भीड़-भाड़ और जुलूस पर रोक

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में आगामी पर्वों, परीक्षाओं और कानून-व्यवस्था को देखते हुए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार 13 अप्रैल से 10 जून तक जिले में बिना अनुमति पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, जुलूस, रैली, धरना-प्रदर्शन और हथियारों के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के भड़काऊ पोस्टर, सोशल मीडिया संदेश, लाउडस्पीकर के

परीक्षाओं और पर्वो को लेकर सख्ती

दुरुपयोग और सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्था फैलाने पर भी रोक लगाई गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष सतर्कता बरती जाएगी। परीक्षार्थियों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति का प्रवेश वर्जित रहेगा तथा मोबाइल, ब्लूटूथ जैसे उपकरणों के उपयोग पर भी सख्ती की जाएगी। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आवश्यक होने पर गिरफ्तारी भी की जा सकती है।

सरकार का अलर्ट, लक्षण दिखें तो तुरंत जांच कराएं

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश में 24 मार्च 2026 से शुरू हुआ 100 दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान' तेजी से चल रहा है। मथुरा स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय से खांसी, बुखार, रात में पसीना, बलगम में खून, सीने में दर्द या सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। टीबी के अन्य लक्षणों में तेजी से वजन घटना, भूख न लगना, लगातार थकान रहना और गर्दन में गांठ आना भी शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर नजदीकी सरकारी अस्पताल में तुरंत जांच करानी चाहिए, जहां एक्स-रे, जांच और उपचार पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों कहना है कि समय पर पहचान और इलाज से टीबी पूरी तरह ठीक हो सकती है। अभियान के तहत गांव-शहर में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग जांच के लिए आगे आएं। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1800116666 पर संपर्क किया जा सकता है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि लक्षण छिपाने के बजाय समय पर जांच कराकर खुद और दूसरों को सुरक्षित रखें।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का चंडीगढ़ में अधिवेशन

चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा में मथुरा के पूर्व सांसद कुंवर मानवेंद्र सिंह के साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष युवराज ऋषिराज सिंह समेत अन्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा/ चंडीगढ़। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न हो गया। दो दिवसीय अधिवेशन में क्षत्रिय समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। अधिवेशन के दौरान मथुरा से तीन बार सांसद रह चुके राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजा मानवेन्द्र सिंह ने युवराज ऋषिराज सिंह को राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही टिक्का शिवेंद्र पाल कुटलैहड़ को यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्रीमती इंदु तोमर को महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजा मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि दो दिवसीय अधिवेशन में क्षत्रिय समाज जे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में

समाज के सदस्य को भी मिले भारत रत्न कई मुद्दों पर हुई चर्चा, सरकार को देंगे ज्ञापन

जातिगत आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर करने, एट्रोसिटी एक्ट को समाप्त करने, महाराणा प्रताप की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश के लिए भारत सरकार से मंजूरी दिलवाना, समाज के गरीब छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए मदद करना, भारत सरकार से लगातार पत्राचार कर कानून में पुनः विचार करने का आग्रह करना, क्षत्रिय इतिहास को स्कूली पाठयक्रम में शामिल करवाना। राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष युवराज ऋषिराज सिंह ने बताया कि आज देश मे बेरोजगारी अहम मुद्दा है। इसको लेकर भारत भर में भ्रमण किया जाएगा और लोगों व युवा पीढ़ी को जागरूक किया जाएगा।

मंदिर से गैस सिलेंडर चोरी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। थाना नौहझील के गांव मड़ूआका के शिव मंदिर से गैस सिलेंडर चोरी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार मड़ूआका के शिव मंदिर से गांव का युवक हेमंत वहां रखा इंडेन गैस कंपनी का सिलेंडर चोरी कर ले गया। सिलेंडर चोरी होने की रिपोर्ट थाना नौहझील में लिखाई गई थी। पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी करने वाले हेमंत को बाघई के टैलिया अंडर पास से कोलाना सर्विस रोड के समीप से गिरफ्तर कर लिया। पुलिस को उसके पास से चोरी किया गया गैस सिलेंडर व देशी तमंचा करतूस भी मिले हैं।

जाम की समस्या के लिए फिर बना प्लान

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में आए दिन जाम की स्थिति से हो रहे लोगों की परेशानी को देखते हुए एसपी ट्रेफिक ने प्लान तैयार किया है। उम्मीद जताई है कि इस प्लान से लोगों को जाम से संभवत मुक्ति मिलेगी। प्लान के अनुसार मंदिरों की नगरी में22 छोटे पाइंटों पर जंजीर लगेगी। इन जंजीरों के लगने से ई रिक्शा और चार पहिया वाहन जबरदस्ती शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। पंजीयन वाले ई रिक्शा वालों को निर्धारित रूट मिलेगा। प्रमुख तिराहे और चौराहों पर पुलिस की तैनाती होगी।

भागवत प्रवक्ता मृदुलकांत शास्त्री की तबियत बिगड़ी, हास्पीटल में भर्ती

यूनिक समय, वृंदावन। दो दिन पहले मारपीट के बाद सदमे में आए भागवत प्रवक्ता मृदुलकांत शास्त्री की आज तबियत बिगड़ गई। उनको तत्काल निजी हास्पीटल ले जाया गया। डाक्टरों की टीम निगरानी कर रही है। गौरतब है कि दिल्ली से आए कार सवार महिला और पुरुषों से दो दिन पहले बस स्टेशन के पास उनकी तकरार हो गई। वजह थी कि दिल्ली वाले श्रद्धालुओं की कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी। भागवत प्रवक्ता की गाड़ी का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। भागवत प्रवक्ता का आरोप था कि दिल्ली से आए श्रद्धालुओं ने उनके साथ मारपीट की थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। फिर अदालत में पेश किया। अदालत ने उनकी जमानत मंजूर कर ली। आज सोमवार को भागवत प्रवक्ता मृदुलकांत शास्त्री की तबियत बिगड़ गई। उनको निजी हास्पीटल में ले जाया गया।

अकादमी ने कार्यशाला में सिखाया रासलीला का मंचन

यूनिक समय, मथुरा। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन (उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद) एवं अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के मातृ सभागार में तीन माह के प्रशिक्षण उपरांत "मुदरिया चोरी" रासलीला का मंचन किया गया।

मुदरिया चोरी रासलीला का मंचन करती अमरनाथ गर्ल्स कालेज की छात्राएं।

गीत, संगीत, नृत्य एवं अभिनय के विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रशिक्षण गीता शोध संस्थान की विशेषज्ञ टीम ने दिया। इसके पश्चात छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन मंच पर प्रस्तुत किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल वाजपेयी एवं कोर्डिनेटर मीता ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं रासलीला के निर्देशक, गीता शोध संस्थान के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने कहा कि ब्रज की लुप्त होती मंचीय कलाओं को उनके मूल, पवित्र एवं विशुद्ध स्वरूप में पुनर्स्थापित करना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज की युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों की ओर अग्रसर हो रही है।

विशिष्ट अतिथि महेंद्र प्रताप सिंह, अपर नगर आयुक्त राकेश त्यागी एवं जिला उद्योग आयुक्त रामेंद्र पाल ने छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया। समाजसेवी कपिल उपाध्याय ने कहा कि ब्रज संस्कृति भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इस प्रकार के आयोजन देश के उज्ज्वल भविष्य की झलक प्रस्तुत करते हैं।

गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी ने आयोजित की कार्यशाला

कार्यक्रम संयोजन गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के कोर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार एवं कॉलेज की प्रवक्ता डॉ. मांडवी राठौर ने किया।

डॉ. मांडवी राठौर ने रासलीला से पूर्व "मुदरिया चोरी" लीला एवं राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम का भावपूर्ण वर्णन किया। अंत में प्रवक्ता नूतन देहर ने सभी का आभार जताया। तीन माह के प्रशिक्षण शिविर की पूर्णता पर सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

मथुरा में होगा 30 मई को प्रांतीय अधिवेशन

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) के दिल्ली रोड स्थित पर्यटक आवास गृह होटल राही में प्रदेशिक अधिवेशन में मथुरा इकाई के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल को प्रमाण पत्र एवं उपज का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अधिवेशन से लौटकर आए श्री जिंदल ने बताया कि 30 मई को मथुरा में प्रांतीय अधिवेशन होगा।

अंबेडकर जयंती पर कल मथुरा में शराब-बीयर की सभी दुकानें बंद

यूनिक समय, मथुरा। जिला अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर जिले की सभी देशी मदिरा, कंपोजिट दुकानें, मॉडल शॉप,सीएल-2, बार, सैन्य कैंटीन व भांग की दुकानें पूर्णतः बंद रखने के आदेश दिए हैं।

सुविचार

कठिनाइयाँ इंसान को मजबूत बनाती हैं, हार मानना विकल्प नहीं होना चाहिए।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	01:08-12:12 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा	04:03- 04:05 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:59 AM	चन्द्रोदय	03:46 AM
सूर्यास्त		6:39 PM	चंद्रास्त	03:36 PM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त	11:54AM -12:45 PM		ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:29 PM: 05:04 PM		वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अक्षय तृतीया पर सोने की चमक

सोने की होड़ या आस्था का असर

यूनिक समय, मथुरा। हर साल अक्षय तृतीया आते ही बाजारों में एक अलग ही रौनक देखने को मिलती है। ज्वेलरी दुकानों पर भीड़, ऑनलाइन ऑफर्स की भरमार और घरों में खरीदारी की योजनाएं–सब कुछ मानो एक सुनियोजित उत्सव का रूप ले लेता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस दिन सोना खरीदने की इतनी बड़ी होड़ क्यों मचती है?

परंपरा के अनुसार अक्षय तृतीया को अत्यंत शुभ दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया कोई भी शुभ कार्य "अक्षय" यानी कभी न खत्म होने वाला फल देता है। इसी विश्वास के कारण लोग इस दिन सोना खरीदना, निवेश करना और नए कार्य की शुरुआत करना शुभ मानते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। सोना उन्हें प्रिय माना जाता है, इसलिए इसे घर लाना समृद्धि को आमंत्रित करने जैसा माना जाता है। इसी तरह धन के देवता कुबेर से जुड़ी कथाएं भी इस परंपरा को और मजबूत बनाती हैं, जिसमें उन्हें इसी दिन धन का स्वामी बनने का वरदान मिला था।

एक अन्य पौराणिक कथा महाभारत से जुड़ी है, जिसमें कहा जाता है कि पांडवों को इसी दिन "अक्षय पात्र" प्राप्त हुआ था, जिससे भोजन कभी समाप्त नहीं होता था। यही कारण है कि "अक्षय" शब्द को स्थायी समृद्धि और निरंतर बढ़ते सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय में इस परंपरा का स्वरूप भी बदल गया है। अब लोग केवल भौतिक सोना ही नहीं, बल्कि डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और निवेश के अन्य साधनों को भी अपनाने लगे हैं। युवाओं में यह सोच तेजी से बढ़ रही है कि अक्षय तृतीया केवल खरीदारी का दिन नहीं, बल्कि भविष्य की योजना बनाने का अवसर है। विशेषज्ञों के अनुसार यह धारणा भी सही नहीं है कि इस दिन केवल सोना खरीदना ही अनिवार्य है। वास्तव में इस दिन का संदेश सकारात्मक शुरुआत, दान–पुण्य और अच्छे कार्यों से जुड़ा है। कई लोग इस दिन जौ, चांदी या घरेलू उपयोग की वस्तुएं भी खरीदते हैं, जिन्हें शुभ माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इसके अलावा इस दिन दान का भी विशेष महत्व बताया गया है। अन्न, जल और वस्त्र दान को अत्यंत फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया छोटा सा पुण्य कार्य भी लंबे समय तक सकारात्मक परिणाम देता है।

आज के समय में अक्षय तृतीया धार्मिक आस्था के साथ–साथ आर्थिक सोच से भी जुड़ गई है। बाजारों में जहां एक ओर पारंपरिक खरीदारी बढ़ती है, वहीं दूसरी ओर निवेश के नए विकल्प भी लोकप्रिय हो रहे हैं।

इस तरह अक्षय तृतीया केवल सोने की चमक का दिन नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच का प्रतीक है जो निरंतर प्रगति, समृद्धि और नए आरंभ की प्रेरणा देती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए संतुलित ऊर्जा और मिश्रित परिणाम लेकर आया है। ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति यह संकेत देती है कि कल सफलता उन्हीं लोगों को मिलेगी जो धैर्य, समझदारी और योजना के साथ आगे बढ़ेंगे। जल्दबाज़ी और भावनात्मक निर्णयों से बचना लाभकारी रहेगा।

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आत्मविश्वास बना रहेगा और रुके कार्य पूरे होने के संकेत हैं।

वृषभ:आर्थिक मामलों में सुधार होगा। परिवार में शांति और सहयोग का माहौल रहेगा, पुराने निवेश से लाभ संभव है।

मिथुन: संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से बातचीत मन को प्रसन्न करेगी और नई योजनाएं बन सकती हैं।

कर्क: भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यस्थल पर धैर्य रखना जरूरी है, जल्दबाज़ी से बचें।

सिंह: नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। कार्यों में सफलता और सम्मान मिलने के योग हैं।

कन्या: स्वास्थ्य पर ध्यान दें। दिनचर्या को संतुलित रखने से लाभ मिलेगा और छोटी यात्रा संभव है।

तुला : रिश्तों में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : धन लाभ के योग हैं लेकिन खर्च भी बढ़ सकता है। निर्णय सोच–समझकर लें।

धनु : करियर और शिक्षा में नए अवसर मिलेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा और भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर: मेहनत का फल मिलेगा। वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा और कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ: रचनात्मक और तकनीकी कार्यों में सफलता मिलेगी। नए विचार लाभकारी सिद्ध होंगे।

मीन:आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। मन शांत रहेगा और मानसिक तनाव कम होगा।

एकादशी का व्रत में सेंधा नमक खाना सही या नहीं?

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन भगवान विष्णु के वराह रूप की पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन व्रत रखने से पापों का नाश होता है और जीवन में सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है।

व्रत के दौरान खान–पान को लेकर सबसे बड़ा प्रश्न नमक के सेवन का होता है। शास्त्रों और परंपराओं के अनुसार एकादशी व्रत में साधारण नमक का सेवन वर्जित माना गया है, लेकिन सेंधा नमक का उपयोग पूरी तरह से स्वीकार्य है। सेंधा नमक को प्राकृतिक और शुद्ध माना जाता है क्योंकि यह बिना रासायनिक प्रक्रिया के प्राप्त होता है। इसी कारण इसे सात्विक आहार का हिस्सा माना जाता है और व्रत के नियमों के अनुरूप उपयुक्त समझा जाता है।

व्रत के समय शरीर को हल्का और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए सेंधा नमक उपयोगी माना जाता है। यह पाचन में सरल होता है और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। फलाहार जैसे कुट्टू का आटा, सिंघाड़ा और सामा के चावल के साथ इसका उपयोग सामान्य रूप से किया जाता है।

धार्मिक दृष्टि से एकादशी केवल भोजन त्यागने का नाम नहीं है, बल्कि मन और विचारों की शुद्धि का भी माध्यम है। इस दिन संयम, सेवा और भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि सात्विक भोजन और अच्छे विचार व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाते हैं। इस प्रकार, वरुथिनी एकादशी पर सेंधा नमक का सेवन व्रत नियमों के अनुसार सही माना जाता है और यह शरीर व मन दोनों के लिए संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

स्वभाव से थोड़े उग्र और साहसी होते हैं मंगलवार को जन्मे लोग

यूनिक समय, नई दिल्ली। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिनके पास अपनी कुंडली या जन्मतिथि नहीं होती, लेकिन उन्हें अपना जन्म का दिन याद होता है। आज हम बात करेंगे उन लोगों की जिनका जन्म मंगलवार को हुआ है। हर दिन किसी न किसी ग्रह से संबंधित होता है। मंगलवार का दिन मंगल ग्रह से संबंधित होता है। इसलिए इस दिन पैदा हुए लोगों में मंगल ग्रह का प्रभाव देखने को मिलता है, जो ऊर्जा और साहस का प्रतीक है। मंगलवार को जन्मे लोग आमतौर पर ऊर्जावान और आत्मविश्वासी होते हैं। ये स्वाभाविक लीडर होते हैं। इस बारे में बता रहे हैं ज्योतिषाचार्य अंशुल त्रिपाठी।

मंगलवार का संबंध मंगल ग्रह से होता है और यह दिन हनुमान जी को समर्पित माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि मंगलवार को जन्म लेने वाले लोग जब इस संसार में आते हैं, तो उनके घर में जमीन–जायदाद से जुड़ा विकास होता है।

ये लोग स्वभाव से थोड़े उग्र और साहसी होते हैं। इनके पिता प्रभावशाली होते हैं, परंतु जीवन में कुछ समझौते करना पड़ता है।

इनकी माता अक्सर पूजा–पाठ करने वाली होती हैं। मंगलवार को जन्मे लोग देखने में आकर्षक होते हैं। इन्हें व्यायाम, खेलकूद और शारीरिक गतिविधियां बेहद पसंद होती हैं। मंगलवार को जन्मे लोग सुरक्षा सेवाओं, मेडिकल (विशेषकर सर्जरी), खेल, एक्टिंग, पुलिस, सेना और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हैं। ये लोग व्यवसाय में भी सफल होते हैं, विशेषकर अगर वह भूमि, खनिज, पेट्रोलियम, तांबा या रियल एस्टेट से जुड़ा हो। इनकी एक खास बात होती है कि ये कोई भी काम शुरू करने से पहले उसकी पूरी योजना बनाते हैं, जल्दबाज़ी नहीं करते। धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से ये मंज़िल तक पहुंचते हैं। प्रेम संबंधों में ये लोग चंचल स्वभाव के होते हैं और जीवन में एक से अधिक प्रेम संबंधों की संभावना रहती है। वैवाहिक जीवन में अक्सर तनाव देखा जाता है।

कमज़ोरियां और सावधानियां : मंगलवार को जन्मे लोग कई बार क्रोध में अपना संतुलन खो बैठते हैं। इन्हें चाहिए कि वे गुस्से पर नियंत्रण रखें। गाड़ी चलाते समय, प्रतियोगिता के समय या जोखिमपूर्ण काम करते हुए इन्हें विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। इनके कई बार गुप्त शत्रु भी होते हैं, इसलिए इन्हें सोच–समझकर और विवेक से हर फैसला लेना चाहिए। **उपाय :** मंगलवार को नमक नहीं खाएं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 14 अप्रैल: बैसाखी
- 15 अप्रैल: प्रदोष व्रत, मा. शिवरात्रि
- 17 अप्रैल: वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

बच्चों का अनुशासन उपदेश कम, मोबाइल ज्यादा असर

बच्चों को अनुशासन सिखाने की चर्चा अक्सर बड़ी गंभीरता से शुरू होती है, लेकिन आज के घरों में यह विषय एक अजीब विरोधाभास बन चुका है। एक तरफ माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे समय पर उठें, पढ़ाई करें, बड़ों का सम्मान करें और मोबाइल से दूर रहें, वहीं दूसरी तरफ वही माता-पिता रात 12 बजे तक मोबाइल स्क्रॉल करते हुए बच्चों को "सो जाओ जल्दी" का आदेश देते हैं। अनुशासन अब उपदेश नहीं, बल्कि एक "डिजिटल डायलॉग" बन चुका है-जहां बोलने से ज्यादा असर स्क्रीन का होता है।

पवन गौतम
संपादक

आज की सबसे बड़ी समस्या यह नहीं कि बच्चों को अनुशासन नहीं सिखाया जा रहा, बल्कि यह है कि सिखाने वाला खुद असमंजस में है। बच्चा सुबह उठकर देखता है कि घर में "गुड मॉर्निंग" से पहले व्हाट्सऐप नोटिफिकेशन सक्रिय है। ऐसे में उससे समय पर उठने की उम्मीद करना कुछ वैसा ही है जैसे बारिश में धूप निकलने की प्रार्थना करना। विशेषज्ञ बार-बार कहते हैं कि बच्चे अनुकरण से सीखते हैं। लेकिन घरों में अनुकरण का नया संस्करण चल रहा है-"जो करो मैं करूं, वो मत करो तुम!" माता-पिता बच्चों को मोबाइल कम चलाने की सलाह देते हैं, जबकि खुद सोशल मीडिया पर "डिजिटल डाइट प्लान" पढ़ रहे होते हैं। अनुशासन अब किताबों में नहीं, बल्कि चार्जिंग केबल के पास पड़ा हुआ एक खोया हुआ सिद्धांत बन गया है। स्कूलों में एनसीसी और एनएसएस जैसी गतिविधियां अनुशासन सिखाने के लिए हैं, लेकिन असली चुनौती वहां से शुरू होकर घर पर खत्म होती है। बच्चा स्कूल में कतार में खड़ा होना सीखता है, लेकिन घर लौटकर देखता है कि हर कोई अपने-अपने स्क्रीन की लाइन में लगा है। ऐसे में अनुशासन का अर्थ बदलकर "वाई-फाई सिग्नल मजबूत रखना" हो गया है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

दिलचस्प बात यह है कि माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे "संस्कारवान" बनें, लेकिन संस्कार अब वाई-फाई पासवर्ड से ज्यादा जटिल हो गए हैं। पहले संस्कार कहानियों से मिलते थे, अब रील्स से मिलते हैं-बस फर्क इतना है कि रील्स 15 सेकंड में पूरी हो जाती हैं, और संस्कार 15 साल में भी नहीं आते। समाधान फिर भी मुश्किल नहीं है, बस थोड़ा हास्यास्पद जरूर है। बच्चों को डांटने से पहले खुद मोबाइल से दूरी बनानी होगी।

"नो मोबाइल ज़ोन" का नियम बच्चों के कमरे से पहले माता-पिता के हाथों में लागू होना चाहिए। अनुशासन थोपने की चीज नहीं, साझा करने की आदत है। अंत में निष्कर्ष यही है कि अगर बच्चे अनुशासन नहीं सीख रहे, तो शायद वे वही सीख रहे हैं जो वे देख रहे हैं। और अगर आज का बच्चा मोबाइल से ज्यादा जुड़ा है, तो शायद वह सबसे ईमानदार अनुयायी है-वह वही कर रहा है जो वह रोज़ देखता है।

नजरिया

वेतन की चिंगारी से भड़की आग

नोएडा की सड़कों पर उफनता आक्रोश

राम कुमार शर्मा

दिल्ली से सटे औद्योगिक शहर नोएडा में हालिया हिंसा ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे औद्योगिक ढांचे में श्रमिकों की आवाज़ को समय रहते सुना जा रहा है या नहीं। वेतन वृद्धि की मांग से शुरू हुआ आंदोलन जिस तरह आगज़नी, तोड़फोड़ और बड़े पैमाने पर जाम में बदल गया, वह केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि व्यवस्था की एक गहरी खामी की ओर इशारा करता है।

तीन दिनों तक चला विरोध प्रदर्शन पहले शांतिपूर्ण था। मजदूर अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे थे-ओवरटाइम का उचित भुगतान, बोनस, साप्ताहिक अवकाश और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे मुद्दे उनके केंद्र में थे। लेकिन जब बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद ठोस परिणाम सामने नहीं आए, तो असंतोष धीरे-धीरे आक्रोश में बदल गया। चौथे दिन यह आक्रोश नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़कों पर हिंसा का रूप ले लिया।

फेज-2 क्षेत्र, खासकर सेक्टर 1 और 84, इस उबाल का केंद्र बने। प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी, सड़कों को जाम कर दिया और नारेबाज़ी के बीच शहर की रफ्तार थम गई। इसका सबसे बड़ा असर डीएनडी फ्लाईवे पर देखने को मिला, जहां लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और हजारों लोग घंटों तक फंसे रहे। यह जाम सिर्फ यातायात का नहीं था, बल्कि प्रशासनिक सुस्ती और संवादहीनता का प्रतीक बन गया। यहां सवाल उठता है कि आखिर हालात इस स्तर तक पहुंचे ही क्यों? क्या प्रशासन और औद्योगिक प्रबंधन ने समय रहते स्थिति की गंभीरता को समझा? अगर मजदूरों की समस्याओं पर शुरुआती स्तर पर ही ठोस कदम उठाए जाते, तो शायद यह स्थिति टाली जा सकती थी। केवल आश्वासन देना और बैठकों का आयोजन करना पर्याप्त नहीं होता, जब तक कि उन पर अमल न हो।

पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए हस्तक्षेप किया और हल्का बल प्रयोग भी किया। भीड़ को तितर-बितर करने में सफलता तो मिली, लेकिन इससे मूल समस्या का समाधान नहीं हुआ। यह केवल एक अस्थायी राहत थी। असली चुनौती है उस असंतोष को दूर करना, जो इस हिंसा की जड़ में है। इस घटना का आर्थिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं है। नोएडा देश के प्रमुख औद्योगिक हब्स में से एक है, जहां हजारों फैक्ट्रियां और लाखों कामगार जुड़े हुए हैं। जब यहां उत्पादन रुकता है, तो इसका असर केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पड़ता है। निवेशकों का भरोसा कमजोर होता है और उद्योगों की साख पर सवाल उठते हैं।

इसके अलावा, इस तरह की घटनाएं आम नागरिकों के लिए भी बड़ी परेशानी का कारण बनती हैं। सड़क जाम, सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान और असुरक्षा का माहौल-ये सभी मिलकर समाज में तनाव बढ़ाते हैं। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन जब यह हिंसा में बदल जाता है, तो इसका नुकसान पूरे समाज को उठाना पड़ता है।

इस पूरे घटनाक्रम में एक अहम पहलू यह भी है कि मजदूरों की समस्याएं नई नहीं हैं। वर्षों से वेतन, काम के घंटे और सुरक्षा जैसे मुद्दे उठते रहे हैं। लेकिन इन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। यही कारण है कि जब भी असंतोष बढ़ता है, वह अचानक विस्फोटक रूप ले लेता है। हालांकि, घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया है। नोएडा प्राधिकरण में बैठक बुलाई गई, हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए और मजदूरों की शिकायतों के समाधान के लिए कंट्रोल रूम बनाने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागतयोग्य हैं, लेकिन सवाल यही है कि क्या ये कदम पहले नहीं उठाए जा सकते थे?

इस घटना ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि औद्योगिक विकास और श्रमिक कल्याण के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। अगर केवल उद्योगों के विकास पर ध्यान दिया जाएगा और मजदूरों की अनदेखी की जाएगी, तो ऐसे हालात बार-बार सामने आएंगे। विकास का असली मतलब तभी है जब उसमें सभी की भागीदारी हो। राजनीतिक दृष्टि से भी यह घटना महत्वपूर्ण है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी के रूप में पेश कर सकता है, जबकि सरकार इसे कानून-व्यवस्था का मुद्दा बताकर नियंत्रण में लाने की कोशिश करेगी। लेकिन सच्चाई यह है कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है। यह सामाजिक और आर्थिक संतुलन का प्रश्न है।

मीडिया की भूमिका भी यहां अहम हो जाती है। इस तरह की घटनाओं को केवल सनसनीखेज खबर के रूप में पेश करने के बजाय उसके पीछे के कारणों को समझना और सामने लाना जरूरी है। जब तक समस्या की जड़ तक नहीं पहुंचा जाएगा, तब तक समाधान भी अधूरा ही रहेगा।

अंततः, नोएडा की यह घटना एक चेतावनी है-प्रशासन के लिए, उद्योगों के लिए और समाज के लिए भी। यह बताती है कि अगर संवाद नहीं होगा, तो संघर्ष होगा। अगर समस्याओं को नजरअंदाज किया जाएगा, तो वे एक दिन विस्फोट बनकर सामने आएंगी।

अब जरूरत है एक समग्र दृष्टिकोण की, जहां मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए, उद्योगों की जिम्मेदारी तय की जाए और प्रशासन सक्रिय भूमिका निभाए। केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक ऐसा वातावरण बनाना भी जरूरी है, जहां असंतोष पनपे ही नहीं।

अगर इस घटना से सबक लिया गया, तो यह एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हो सकती है। लेकिन अगर इसे केवल एक और घटना मानकर भुला दिया गया, तो भविष्य में इससे भी बड़ी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। नोएडा की सड़कों पर जली यह आग केवल वाहनों को नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की कमजोरियों को भी उजागर कर गई है। अब यह हम पर है कि हम इससे क्या सीख लेते हैं।

विचार विण्डो

यूपी में दो करोड़ वोट कटने से राजनीति में मची हलचल

बोध प्रकाश सगुणी

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। हाल ही में जारी मतदाता सूची के अंतिम आंकड़ों ने राज्य के चुनावी परिदृश्य को नए सिरे से परिभाषित करने की भूमिका तैयार कर दी है। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद करीब दो करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की खबर ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी हलचल पैदा कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम ने सत्तारूढ़ दल और विपक्ष दोनों के लिए नई चुनौतियां और संभावनाएं खड़ी कर दी हैं।

इस प्रक्रिया की शुरुआत 27 अक्टूबर 2025 को हुई थी और यह कुल 166 दिनों तक चली। उस समय राज्य में लगभग 15 करोड़ 44 लाख मतदाता पंजीकृत थे। प्रारूप सूची में यह संख्या घटकर लगभग 12 करोड़ 55 लाख रह गई थी, जो अपने आप में एक बड़ा बदलाव था। हालांकि अंतिम सूची जारी होने के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 13 करोड़ 39 लाख पर पहुंच गई, लेकिन फिर भी लगभग दो करोड़ नामों का हटना एक बड़ा आंकड़ा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि किसी भी मतदाता का नाम बिना उचित प्रक्रिया के नहीं हटाया गया है। दावे, आपत्तियां, सत्यापन और सुनवाई के बाद ही अंतिम निर्णय लिया गया। इसके बावजूद इतने बड़े पैमाने पर नाम हटने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या यह केवल तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रिया का परिणाम है, या इसके पीछे सामाजिक और राजनीतिक कारण भी छिपे हैं?

अगर जिलावार आंकड़ों को देखें तो लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद और मेरठ जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक नाम हटाए गए हैं। ये वही क्षेत्र हैं जहां पिछले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का मजबूत जनाधार रहा है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि इस बदलाव को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। सत्तारूढ़ पक्ष के लिए यह चिंता का विषय हो सकता है कि उनके मजबूत क्षेत्रों में मतदाता संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

वहीं दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव के लिए यह स्थिति अवसर के रूप में देखी जा रही है। विपक्ष लंबे समय से चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग करता रहा है, और अब यह बदलाव उनके लिए राजनीतिक विमर्श का एक नया आधार बन सकता है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि इससे सीधे तौर पर किसी एक दल को फायदा या नुकसान होगा, लेकिन इतना जरूर है कि चुनावी गणित अब पहले जैसा नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और नियमसम्मत बताया है। प्रशासन का दावा है कि जिन नामों को हटाया गया है, वे या तो स्थानांतरित हो चुके थे, या फिर बहु प्रविष्टि, मृत्यु अथवा अन्य कारणों से सूची में बने रहने के पात्र नहीं थे। फिर भी विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सवाल उठा सकता है और इसे चुनावी रणनीति का हिस्सा बना सकता है। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान करोड़ों नोटिस जारी किए गए और लाखों मामलों की सुनवाई की गई। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि एक व्यापक और गहन अभ्यास था। इसके बावजूद यह जरूरी है कि जिन मतदाताओं के नाम हटे हैं, उन्हें अपनी बात रखने और सूची में पुनः शामिल होने का पूरा अवसर मिले। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह बदलाव आने वाले चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। शहरी क्षेत्रों में मतदाता संख्या में कमी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षाकृत स्थिरता एक नया संतुलन बना सकती है। इससे चुनावी रणनीतियों में बदलाव आना तय है। राजनीतिक दलों को अब नए सिरे से अपने वोट बैंक का आकलन करना होगा और जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करनी होगी। इसके अलावा, मतदाता सूची में लिंग अनुपात में सुधार और युवा मतदाताओं की बढ़ती संख्या भी एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि नई पीढ़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए आगे आ रही है। हालांकि यह भी देखना होगा कि क्या ये नए मतदाता वास्तव में मतदान के दिन मतदान केंद्र तक पहुंचते हैं या नहीं। अंततः, यह पूरा घटनाक्रम केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती और विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ है। मतदाता सूची का सटीक और पारदर्शी होना किसी भी चुनाव की निष्पक्षता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इस तरह का व्यापक पुनरीक्षण एक बड़ी प्रशासनिक उपलब्धि हो सकती है, बशर्ते यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राजनीतिक समीकरणों को किस तरह प्रभावित करता है। फिलहाल इतना तय है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां हर आंकड़ा और हर निर्णय दूरगामी प्रभाव डाल सकता है।

12 टीमों के साथ टूर्नामेंट होगा और भी धमाकेदार

आईसीसी ने बढ़ाई प्राइज मनी : महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पैसों की बारिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2026 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए इस बार की प्राइज मनी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। टूर्नामेंट शुरू होने में करीब 60 दिन बाकी हैं और ऐसे में इस घोषणा ने खिलाड़ियों और प्रशंसकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। इंग्लैंड और वेल्स में आयोजित होने वाले इस मेगा इवेंट के लिए कुल प्राइज पूल 8,764,615 अमेरिकी डॉलर (करीब 81.83 करोड़ रुपये) रखा गया है, जो पिछले संस्करण के मुकाबले लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। इस बार टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जो महिला क्रिकेट के विस्तार और बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। बढ़ी हुई टीमों के साथ इनामी राशि में भी इजाफा किया गया है, जिससे

प्रतियोगिता और रोमांचक होने की उम्मीद है। आईसीसी के अनुसार, टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 2,340,000 डॉलर (लगभग 21.84 करोड़ रुपये) की बड़ी राशि दी जाएगी। वहीं उपविजेता टीम को 1,170,000 डॉलर (करीब 10.92 करोड़ रुपये) मिलेंगे। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 675,000–675,000 डॉलर दिए जाएंगे। इसके अलावा ग्रुप स्टेज में हर मैच जीतने पर 31,154 डॉलर की इनामी राशि तय की गई है। खास बात यह है कि सभी 12 टीमों को न्यूनतम 247,500 डॉलर की गारंटीड प्राइज मनी भी मिलेगी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने इस पहल को महिला क्रिकेट के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व कप का विस्तार तथा रिकॉर्ड प्राइज मनी इस खेल को और प्रतिस्पर्धी और वैश्विक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह टूर्नामेंट दर्शकों और व्यूअरशिप के नए रिकॉर्ड स्थापित करेगा। इसके साथ ही आईसीसी ने ट्रॉफी टूर की शुरुआत भी कर दी है, जिसकी शुरुआत लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड से हुई। ट्रॉफी अब नीदरलैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड होते हुए मेजबान शहरों तक पहुंचेगी। 12 जून से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए तैयार है।

आवेज–नगमा के रिश्ते में आई दरार

ब्रेकअप की खबरों के बीच कुनिका सदानंद का बड़ा बयान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया स्टार आवेज दरबार और नगमा मिराजकर के ब्रेकअप की खबरों के बीच अब एक्ट्रेस कुनिका सदानंद का बयान चर्चा में आ गया है। लंबे समय से दोनों को साथ नहीं देखा गया है, जिसके बाद उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, इस पर अब तक आवेज और नगमा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कुनिका सदानंद ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए दुख की बात है, क्योंकि दोनों के साथ उनका अच्छा संबंध रहा है। कुनिका ने बताया कि आवेज और नगमा ने हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है और उनका रिश्ता काफी मजबूत नजर आता था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगर उनके बीच कोई मतभेद हैं तो वे सुलझ जाएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर दोनों का साथ रहना किस्मत में नहीं है, तब भी उन्हें अच्छे जीवनसाथी जरूर मिलें। आवेज और नगमा की लव स्टोरी सोशल मीडिया से शुरू हुई थी।

दोनों पहली बार साल 2019 में मिले और टिक–टॉक वीडियो के जरिए उनकी जोड़ी काफी लोकप्रिय हो गई। 2020 में दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया था। इसके बाद वे कई प्रोजेक्ट्स और रियलिटी शो में साथ नजर आए। पिछले साल 'बिग बॉस 19' में भी इस जोड़ी ने हिस्सा लिया था, जहां आवेज ने नगमा को प्रपोज किया था और शादी का ऐलान भी किया था। हालांकि हाल के दिनों में दोनों को साथ न देखे जाने और कुछ इवेंट्स से गैरमौजूदगी के कारण ब्रेकअप की खबरें सामने आईं। फिलहाल फैंस को उनके आधिकारिक बयान का इंतजार है।

अमिताभ बच्चन बोले:उनका संगीत हमेशा जीवित रहेगा

92 की उम्र में थमी सुरों की जादूगरनी की आवाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोसले के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने 12 अप्रैल को मुंबई में अंतिम सांस ली। उनके जाने से न केवल संगीत जगत, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री को भी अपूरणीय क्षति हुई है। देश–विदेश में उनके चाहने वाले उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा कि एक पूरा युग उनके साथ चला गया। बिग बी ने कहा कि आशा भोसले एक असाधारण और विलक्षण व्यक्तित्व थीं, जिनकी

आवाज ने हर गीत को जीवंत बना दिया। उन्होंने लिखा, "उनका शरीर भले ही अब हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी आत्मा और उनकी आवाज हमेशा हमारे साथ रहेगी। उनका संगीत अमर है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।"

अमिताभ बच्चन के इस भावुक संदेश ने उनके और आशा भोसले के बीच के गहरे सम्मान और जुड़ाव को भी उजागर किया। सोशल मीडिया पर भी फैंस इस श्रद्धांजलि को साझा कर रहे हैं और आशा ताई को याद कर रहे हैं। सोमवार को आशा भोसले का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जा रहा है। उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया और अंतिम दर्शन के लिए मुंबई स्थित उनके आवास पर रखा गया, जहां परिवार, करीबी और फिल्म जगत के कई दिग्गज पहुंचे। इसके बाद उनकी अंतिम यात्रा दादर के शिवाजी पार्क श्मशान घाट के लिए निकली, जहां शाम को उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। बताया जा रहा है कि आशा भोसले को सीने में संक्रमण और कमजोरी के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ती चली गई और अंततः उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन से संगीत की दुनिया ने एक ऐसा सितारा खो दिया है, जिसकी चमक हमेशा बनी रहेगी।

सुरों की मल्लिका को अंतिम विदाई

तब्बू के गले लगकर फूट फूटकर रोईं जनाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज प्लेबैक सिंगर आशा भोसले के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने मुंबई में अंतिम सांस ली। उनके अंतिम दर्शन के दौरान परिवार और बॉलीवुड से जुड़े कई लोग मौजूद रहे। इसी बीच एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उनकी पोती जनाई भोसले फूट–फूटकर रोती नजर आ रही हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि जनाई बेहद भावुक अवस्था में खड़ी हैं, तभी अभिनेत्री तब्बू उनके पास पहुंचती हैं। जनाई उन्हें देखते ही खुद को संभाल नहीं पातीं और गले लगकर रोने लगती हैं। तब्बू भी इस दौरान भावुक हो जाती हैं और उन्हें ढांढस बंधाते हुए गले लगाकर संभालती नजर आती हैं। इस पल ने वहां मौजूद सभी लोगों को भावुक कर दिया। यह वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जहां लोग जनाई के दुख में संवेदना व्यक्त कर रहे हैं और आशा भोसले की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

अंतिम संस्कार के दौरान की अन्य झलकियों में भी परिवार के सदस्यों का दर्द साफ देखा गया। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई के वक्त माहौल बेहद गमगीन रहा। जनाई कई मौकों पर बेहद टूटती हुई नजर आईं, जिससे उनके और आशा भोसले के गहरे रिश्ते का अंदाजा लगाया जा सकता है।

बता दें कि जनाई भोसले अपनी दादी के बेहद करीब थीं। वे अक्सर हर सार्वजनिक कार्यक्रम, कॉन्सर्ट और पारिवारिक आयोजनों में आशा भोसले के साथ नजर आती थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह अपनी दादी से बेहद प्यार करती हैं और उन्हें खोने का ख्याल भी उन्हें भावुक कर देता है। अब उनके जाने के बाद परिवार के लिए यह समय बेहद कठिन है।

मुंबई इंडियंस के लिए बढ़ी चिंता

रोहित शर्मा के अगले मैच में खेलने पर सस्पेंस

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 19वां सीजन मुंबई इंडियंस के लिए अब तक निराशाजनक रहा है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में टीम ने चार मैच खेले हैं, जिनमें सिर्फ एक जीत हासिल हुई, जबकि लगातार तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में टीम पहले से ही दबाव में है और अब एक नई चिंता सामने आ गई है–स्टार ओपनर रोहित शर्मा की फिटनेस।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रोहित शर्मा अच्छी लय में नजर आ रहे थे। उन्होंने 13 गेंदों में 19 रन बनाए, लेकिन इसी दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव महसूस हुआ। दर्द बढ़ने के कारण रोहित ने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया

और दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं लौटे। इस घटना के बाद से ही उनके अगले मैच में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने अपनी चोट की गंभीरता जानने के लिए स्कैन कराने का फैसला किया है। अब उनकी उपलब्धता पूरी तरह से मेडिकल रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। यदि चोट गंभीर पाई जाती है तो मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लग सकता है, क्योंकि रोहित टीम के सबसे अनुभवी और अहम बल्लेबाजों में से एक हैं।

इस सीजन में रोहित का प्रदर्शन भी मिला–जुला रहा है। उन्होंने चार मैचों में कुल 137 रन बनाए हैं, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक शानदार अर्धशतक शामिल है।

हालांकि बाकी मुकाबलों में उनका बल्ला ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सका है। फिलहाल मुंबई इंडियंस अंक तालिका में 8वें स्थान पर है और टीम को 16 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में अगला मैच खेलना है। ऐसे में रोहित शर्मा की फिटनेस टीम के लिए बेहद अहम साबित होगी। अगर वह इस मुकाबले से बाहर होते हैं तो मुंबई की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

सीएम योगी के सख्त निर्देश

मजदूरों को समय पर सैलरी और बोनस सीधे खाते में

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में श्रमिक आंदोलन के बीच प्रशासन ने बड़ा फैसला लेते हुए कर्मचारियों के हित में नई गाइडलाइन जारी की है। औद्योगिक क्षेत्र नोएडा में काम करने वाले श्रमिकों को अब अतिरिक्त समय पर दोगुना वेतन, समय पर वेतन और बोनस सीधे बैंक खाते में मिलने की व्यवस्था अनिवार्य कर दी गई है। यह कदम हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद श्रमिक असंतोष को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि अब किसी भी कर्मचारी से अतिरिक्त समय का काम लेने पर उसे उसकी सामान्य दर से दोगुना भुगतान करना होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि वेतन हर महीने की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से कर्मचारियों के खातों में पहुंच जाए। किसी भी प्रकार की देरी या कटौती को नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

नए आदेशों में साप्ताहिक अवकाश को भी सख्ती से लागू किया गया है। यदि किसी कर्मचारी को रविवार या अवकाश के दिन काम करना पड़ता है, तो उसे भी दोगुनी दर से भुगतान किया जाएगा। इससे श्रमिकों के कार्य और जीवन के संतुलन में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

इसके अलावा कंपनियों को हर कर्मचारी को वेतन पर्ची देना अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे भुगतान में पारदर्शिता बनी रहे। बोनस वितरण के लिए भी समय सीमा तय कर दी गई है, जिसके तहत सभी कंपनियों को 30 नवंबर तक बोनस सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा करना होगा।

महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हर औद्योगिक इकाई में आंतरिक शिकायत समिति बनाना

अतिरिक्त समय पर दोगुना वेतन

अनिवार्य किया गया है। इस समिति की अध्यक्षता महिला अधिकारी करेंगी ताकि कार्यस्थल पर सुरक्षा और शिकायत निवारण मजबूत हो सके। इसके साथ ही प्रशासन ने श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन भी शुरू की है। इसके जरिए कर्मचारी अपनी शिकायतें सीधे दर्ज करा सकते हैं और त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का कहना है कि इन नए नियमों का उद्देश्य केवल तत्काल राहत देना नहीं, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र में पारदर्शी और संतुलित श्रम व्यवस्था स्थापित करना है। अधिकारियों के अनुसार इन सुधारों से भविष्य में विवाद और आंदोलन की संभावनाएं कम होंगी और उद्योगों में स्थिरता बढ़ेगी।

नोएडा में कर्मचारियों की वेतन बढ़ोतरी और समान वेतन व्यवस्था की मांग

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की गारमेंट फैक्ट्रियों में कार्यरत कर्मचारियों ने वेतन में बढ़ोतरी और समान भुगतान प्रणाली की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच मौजूदा वेतन पर्याप्त नहीं है और उन्हें हरियाणा की तर्ज पर न्यूनतम मजदूरी दरें दी जानी चाहिए।

प्रदर्शनकारी श्रमिकों की मांग है कि अकुशल कर्मचारियों को 15,220, अर्ध-कुशल को 16,780, कुशल को 18,500 और उच्च कुशल श्रमिकों को 19,425 मासिक वेतन दिया जाए। उनका आरोप है कि एक ही काम के लिए अलग-अलग कर्मचारियों को अलग-अलग वेतन दिया जाता है, जिससे असमानता बढ़ रही है।

कर्मचारियों ने यह भी मांग रखी है कि वेतन में अनियमितता को समाप्त किया जाए, सभी को सरकारी नियमों के अनुसार भुगतान मिले और बिना उचित कारण किसी कर्मचारी को नौकरी से न निकाला जाए। इसके साथ ही एक माह में चार अवकाश, समय पर वेतन भुगतान और ओवरटाइम का दोगुना भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

प्रशासन की ओर से पहले ही प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समाधान का आश्वासन दिया गया था। नए निर्देशों में ओवरटाइम का दोगुना भुगतान और वेतन-बोनस सीधे बैंक खातों में भेजने की बात कही गई है, लेकिन इसके बावजूद कर्मचारियों का आक्रोश शांत नहीं हुआ और प्रदर्शन जारी रहा।

श्रमिकों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। स्थिति को देखते हुए प्रशासन और पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

नोएडा हिंसा पर डीजीपी सख्त भड़काने वालों की होगी पहचान

पुलिस मुख्यालय से पूरे मामले की निगरानी जारी

अराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश जारी

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में निजी कंपनी के कर्मचारियों के वेतन और कार्य परिस्थितियों को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस मामले पर यूपी पुलिस के डीजीपी राजीव कृष्ण ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि हिंसा को भड़काने वाले और बाहरी तत्वों की पहचान की जा रही है।

डीजीपी ने स्पष्ट किया कि ऐसे अराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मुख्यालय और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। गौतमबुद्धनगर में हुए इस प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर सड़क जाम और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रशासन ने हालात पर नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है और जांच तेज कर दी गई है।

बदायूं हादसा: गंगा में डूबे दो भाइयों की तलाश जारी

यूनिक समय, नोएडा। बदायूं के उसहैत थाना क्षेत्र में रविवार शाम गंगा नदी में नहाने गए पांच बच्चों में से दो सगे भाइयों की तलाश 15 घंटे बाद भी जारी है। हादसे में एक बच्चे की मौत हो चुकी है, जिसका शव रविवार शाम ही बरामद कर लिया गया था, जबकि दो बच्चे अभी लापता हैं।

सोमवार सुबह से ही एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी और स्थानीय गोताखोरों की टीम गंगा नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है। तेज बहाव और गहराई के कारण रेस्क्यू कार्य में लगातार कठिनाई आ रही है। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ

एनडीआरएफ और फ्लड पीएसी कर रही सर्च ऑपरेशन

है और परिजन बेसब्री से बच्चों के मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मामले का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को मुआवजे का आश्वासन दिया है।

मुजफ्फरनगर रैली में मुलाकात

सीएम योगी और जयंत चौधरी एक मंच पर

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में आयोजित भव्य जनसभा के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी जयंत सिंह एक ही मंच पर नजर आए। इस कार्यक्रम को राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विकास और 2027 विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए की एकजुटता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

जनसभा से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुजफ्फरनगर, जो महर्षि शुकदेव की तपोभूमि के रूप में भी जाना जाता है, विकास के एक नए अध्याय का साक्षी बनने जा रहा है।

इस अवसर पर लगभग 951 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 423 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण भी कार्यक्रम का हिस्सा रहा।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शहर के प्रमुख शिव चौक क्षेत्र में कुछ समय के लिए

951 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

यातायात रोक दिया गया। मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने के दौरान इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही और आम आवागमन नियंत्रित किया गया।

वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी जनसभा स्थल नुमाइश ग्राउंड पर पहुंच गए थे, जहां भाजपा और रालोद के कार्यकर्ताओं ने जोरदार तैयारियां कीं। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंच और आसपास के क्षेत्रों में विशेष प्रबंधन किया गया।

इसी दौरान राज्य सरकार के कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मंच से एक बड़ा बयान देते हुए मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर 'लक्ष्मी नगर' करने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने रैपिड रेल परियोजना को शहर तक बढ़ाने की मांग उठाई। उनका कहना था कि बेहतर कनेक्टिविटी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रोजगार, उद्योग और व्यापार को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में विकास, बुनियादी ढांचे और राजनीतिक रणनीति तीनों का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिला।

सांसद खेल महाकुंभ 2026 का शुभारंभ

खेल भी विकास का पैमाना: राजनाथ सिंह

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सोमवार को सांसद खेल महाकुंभ 2026 का भव्य शुभारंभ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किसी भी देश के विकास का आकलन केवल जीडीपी से नहीं किया जा सकता, बल्कि खेलों में प्रदर्शन और खेल संस्कृति भी विकास का महत्वपूर्ण मानक है।

कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर रक्षा मंत्री ने उनकी सराहना की और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने संबोधन में अंतराष्ट्रीय उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन देशों में खेलों के प्रति मजबूत संस्कृति होती है, वे वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली बनते हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मेयर सुषमा खर्कवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और खेल महाकुंभ को प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि रोजगार और सम्मान का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने घोषणा की कि राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे सरकारी सेवाओं में नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कई खिलाड़ियों को पहले ही पुलिस विभाग और प्रशासनिक सेवाओं में अवसर दिया जा चुका है। कार्यक्रम में सरकार की खेल नीति और युवा सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया।

'खेलेगा यूपी, बढ़ेगा यूपी' के नारे के साथ प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। इसके साथ ही इनामी राशि में वृद्धि और खेल सुविधाओं के विस्तार पर भी प्रकाश डाला गया। सांसद खेल महाकुंभ 2026 को राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर पर मंच देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर हिंसा, पुलिस वैन में तोड़फोड़ और आगजनी से बढ़ा तनाव

नोएडा में मजदूरों ने काटा बवाल

भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस ने किया हल्का बल का प्रयोग

यातायात बाधित, आम लोगों को भारी परेशानी

प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। औद्योगिक शहर नोएडा के फेज–2 इलाके में मजदूरों ने का वेतन बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर चल रहा प्रदर्शन सोमवार को अचानक उग्र हो गया। सुबह से जारी आंदोलन ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

प्रदर्शनकारी मजदूरों ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और कई वाहनों में तोड़फोड़ की। इस दौरान एक पुलिस वाहन पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया और उसमें आग लगाने की भी घटना सामने आई। हालात बिगड़ते देख पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और भीड़ को तितर–बितर किया गया।

इस घटना का असर आसपास के क्षेत्रों में भी देखा गया।

कई जगहों पर यातायात बाधित हो गया और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई और कम वेतन के कारण उनका जीवन कठिन हो गया है, इसलिए वेतन में बढ़ोत्तरी जरूरी है।

स्थिति के बिगड़ने के बाद प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गए हैं। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए टीमें तैयार हैं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रदर्शनकारियों की मांगों पर बातचीत का रास्ता खुला है, लेकिन कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि शांति बनाए रखने के लिए औद्योगिक संगठनों और श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ लगातार बैठकें की जा रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने औद्योगिक क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है और आम जनता को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं।

नोएडा में मजदूर आंदोलन से मचा हड़कंप

सड़कों पर जाम, लोगों की मुश्किलें बढ़ीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली से सटे औद्योगिक क्षेत्र नोएडा के फेज–2 में मजदूरों के वेतन वृद्धि और अन्य मांगों को लेकर हुए प्रदर्शन ने सोमवार को पूरे इलाके की यातायात व्यवस्था बिगाड़ दी। सुबह शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे–धीरे उग्र हो गया, जिससे कई प्रमुख सड़कों पर भारी जाम लग गया। सबसे ज्यादा असर सेक्टर 62, फेज–2 और दिल्ली–नोएडा बॉर्डर से जुड़े रास्तों पर पड़ा। डीएनडी फ्लाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और हजारों वाहन घंटों फंसे रहे। ऑफिस टाइम में अचानक हुए इस प्रदर्शन से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि महंगाई बढ़ने के बावजूद उनकी सैलरी नहीं बढ़ाई गई है, जिससे जीवन यापन मुश्किल हो गया है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तैनाती बढ़ा दी है और ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है। प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ठाणे दर्दनाक सड़क हादसा

पुल पर भीषण टक्कर में नौ लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक पुल पर तेज रफ्तार सीमेंट मिक्सर और एक वैन की आमने–सामने टक्कर हो गई।

घटना ठाणे के मुरबाड क्षेत्र स्थित गोविली गांव के रैता पुल पर सुबह करीब 11:30 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों वाहन विपरीत दिशा से आ रहे थे और अचानक सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई और पुल पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। स्थानीय पुलिस, राहत दल और एंबुलेंस तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज

तीन लोग घायल

जारी है। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि, पूरी घटना की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि टक्कर लापरवाही के कारण हुई या किसी तकनीकी खराबी की वजह से।

इस हादसे के बाद पुल पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, जिसे पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद सामान्य किया। राहत और बचाव कार्य कई घंटों तक जारी रहा, जिसमें शवों को बाहर निकालने और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का काम किया गया।

स्थानीय प्रशासन ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की जरूरत को उजागर कर दिया है।

बिहार में सत्ता बदलाव की सुगबुगाहट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 14 अप्रैल को पद से इस्तीफा दे सकते हैं और 15 अप्रैल को नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो सकता है। पटना में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। शपथ ग्रहण

15 अप्रैल को शपथ की तैयारी

समारोह की तैयारियां तेज कर दी गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक एनडीए और दोनों प्रमुख दलों की अलग–अलग बैठकें बुलाई गई हैं, जिसमें नए नेता के चयन पर निर्णय होगा। राजनीतिक हलकों में इस बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

ट्रंप की विवादित पोस्ट से मची सनसनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनी तस्वीर साझा की, जिसमें वे स्वयं को ईसा मसीह जैसे रूप में दर्शाते नजर आए। यह पोस्ट पोप लियो की आलोचना के कुछ ही समय बाद की गई, जिससे विवाद और बढ़ गया। तस्वीर में ट्रंप एक व्यक्ति को हाथ लगाते हुए और धार्मिक प्रतीकों के बीच दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पोप लियो पर विदेश नीति और वैश्विक मुद्दों को लेकर कड़ी टिप्पणी की थी। इस पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

युगांडा सेना प्रमुख के बयान से मचा दुनिया में हड़कंप

1 अरब डॉलर और सुंदर 'दुल्हन' की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। युगांडा के सेना प्रमुख जनरल मुहूजी कैनेरुगाबा एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने तुर्की से लगभग 1 अरब डॉलर की "सुरक्षा हिस्सेदारी" की मांग की है। उनका कहना है कि युगांडा ने सोमालिया में आतंकवाद विरोधी अभियानों में लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि तुर्की ने वहां विकास कार्यों से आर्थिक लाभ कमाया। इसी आधार पर उन्होंने मुआवजे की मांग उठाई है।

इसके साथ ही उन्होंने एक विवादित टिप्पणी करते हुए तुर्की की सबसे खूबसूरत लड़की से शादी करने की इच्छा भी जताई, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस छिड़ गई है। इस बयान को कई लोग असामान्य और गैर–राजनयिक मान रहे हैं। जनरल ने चेतावनी भी दी है कि यदि 30 दिनों में उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो तुर्की के दूतावास को बंद करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। यह मामला अभी आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'लैंड फॉर जॉब' मामले में राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले की सुनवाई अब ट्रायल कोर्ट में मेरिट के आधार पर होगी। हालांकि राहत देते हुए यह भी कहा गया कि लालू यादव को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने की जरूरत नहीं होगी। यह मामला 2004-2009 के दौरान कथित नौकरी के बदले जमीन लेन–देन से जुड़ा है, जिसमें सीबीआई ने 2022 में एफआईआर दर्ज की थी।

नकली और नशीली दवा के कारोबार पर कसेगा शिकंजा

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। औषधि विभाग नकली और नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए बड़ा अभियान चलाने जा रहा है। 2800 थोक दवा दुकानों का सर्वे किया जाएगा और पांच साल के रिकॉर्ड की जांच होगी। आवासीय परिसर में चल रही दुकानों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। पिछले साल भी विभाग 72 करोड़ की दवाएं जब्त कर चुका है, जिससे इस बार की कार्रवाई और सख्त मानी जा रही है। सहायक औषधि आयुक्त अतुल उपाध्याय ने संकेत दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई तय है।

2800 थोक दुकानों की जांच की तैयारी

औषधि विभाग जल्द ही एक विशेष अभियान चलाकर सभी थोक दवा कारोबारियों का सर्वे करेगा। उनके लाइसेंस, स्टॉक और सप्लाई चैन की जांच की जाएगी। दवाओं के स्रोत और वितरण की पूरी पड़ताल होगी। संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इस सर्वे के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कहीं नकली या नशीली दवाओं का अवैध नेटवर्क तो नहीं चल रहा।

विभागीय अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि जिन दुकानों का संचालन आवासीय परिसरों से हो रहा है या जो निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहीं उनके लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। यह कदम दवा भंडारण और बिक्री के नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए उठाया जा रहा है।

सर्वे के दौरान कारोबारियों को अपने पिछले पांच वर्षों के खरीद–बिक्री रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे। सर्वे टीम स्टॉक रजिस्टर और बिलिंग की जांच करने के साथ ही दवाओं की सप्लाई का ट्रैक रिकॉर्ड जांचेगी। किसी भी अनियमितता पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इससे यह पता लगाया जाएगा कि कहीं अवैध दवाओं का लेन–देन तो नहीं हुआ।

औषधि विभाग पहले भी सख्त कार्रवाई कर चुका है। पिछले वर्ष चलाए गए विशेष अभियान में करीब 72 करोड़ रुपये की नकली और संदिग्ध दवाएं जब्त की गई थीं। कई लाइसेंस निलंबित और निरस्त किए गए थे और अवैध गोदामों पर छापेमारी कर बड़े नेटवर्क का खुलासा किया था। सहायक औषधि आयुक्त अतुल उपाध्याय ने स्पष्ट कहा है कि मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सोया सिस्टम, जागे समाजसेवी नालियों पर लगे जाल

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। ग्राम पंचायत सुल्तानपट्टी के प्रधान की अनदेखी अब ग्रामीणों के सब्र का बांध तोड़ रही है। विकास के दावों के बीच 'सिस्टम' यहाँ इस कदर फेल नजर आया कि बुजुर्गों और बच्चों का घर से निकलना दूभर हो गया। लेकिन इस 'सिस्टम' की विफलता पर युवा समाजसेवी अभिषेक चौधरी की समाजसेवा भारी पड़ी है।नयावास और आजनौठ गांवों में खुली नालियां मौत के जाल जैसी बन गई थीं। प्रशासन की चुप्पी देख अभिषेक चौधरी ने खुद मोर्चा संभाला और निजी खर्च से 30 लोहे के जाल लगवाकर रास्तों को सुरक्षित बनाया।

केशव देव मंदिर में मनाया श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य का प्रादुर्भाव दिवस

यूनिक समय, मथुरा। श्री कृष्ण के अनन्य उपासक श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य का प्रादुर्भाव दिवस प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की तत्वावधान में मुकट मणि शर्मा की अध्यक्षता में मनाया। भगवान केशव देव जी का बरूथनी एकादशी पर्व पर सेवायत ने पंचामृत अभिषेक किया। पोशाक धारण, आरती की। फिर भगवान श्री कृष्ण के अनन्य उपासक महाप्रभु वल्लभाचार्य का प्रादुर्भाव दिवस मंगलाचरण के बीच मनाया गया उनकी छवि पर संस्थान अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, बिहारी लाल गोस्वामी तथा विवेक उपाध्याय ने फूल माला अंग वस्त्र पहनकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. जमुना शर्मा, उमा शर्मा, पी पी शर्मा, कन्हैया लाल शर्मा, शशि शर्मा, बसंती देवी, कृष्ण गोपाल शर्मा, गणेश शर्मा, दिलीप पांडे तथा राकेश गौड़ आदि उपस्थित थे।

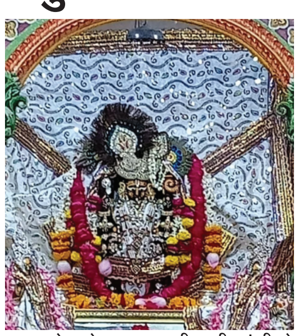

ठाकुर केशवदेव महाराज की सजी झांकी के दर्शन।

मथुरा में कल निकलेगी बाबा साहेब की शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। बाबा साहब डॉ,बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति बैठक डॉ अम्बेडकर भवन अम्बेडकर चौक डीग गेट पर अध्यक्ष सूरजपाल सिंह दरोगा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बाबा साहब डॉ, बी आर अम्बेडकर के 135 वें जन्मोत्सव पर शहर में पुष्पांजलि एवं शोभायात्रा के बारे में मंथन किया गया। पुष्पांजलि कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से डॉ.अम्बेडकर भवन,अम्बेडकर चौक, डीग गेट पर होगा। 14 अप्रैल को अपराह्न तीन बजे

सुबह डीग गेट स्थित प्रतिमा पर होगी पुष्पांजलि

से निकलने वाली शोभायात्रा में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में डॉ अम्बेडकर अनुयाई एवं समाज के लोग भाग लेंगे। शोभायात्रा संत रविदास आश्रम मसानी रोड से प्रारंभ होकर डीग गेट,भरतपुर गेट,होली गेट,छत्ता बाजार,चौक बाजार,मंडी रामदास,अर्जुनपुरा होते हुए पुन,संत रविदास आश्रम,मसानी पर समापन होगी।

उमा भारती पहुंची मां कात्यायनी मंदिर

यूनिक समय, वृंदावन। भाजपा नेत्री उमा भारती ने आज मां कात्यायनी मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की।

महाप्रभु वल्लभाचार्य के जीवन में 84 के अंक का अजब संयोग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीमद् भागवत कथा आयोजन समिति के तत्वावधान में शुद्धाद्वैत पुष्टिमार्ग प्रवर्तक महाप्रभु बल्लभाचार्य का प्राकट्योत्सव मनाया गया ।

प्राकट्योत्सव पर मधुराष्टकम् का हुआ सस्वर पाठ

स्वस्तिवाचन व मंगलाचरण के बाद महाप्रभु की चित्र छवि का पूजन अर्चन कर मंगलद्वीप प्रज्जवलित किया। सस्वर बल्लभाचार्य द्वारा रचित मधुराष्कम् का पाठ किया गया । अध्यक्षता करते हुए समिति संस्थापक अमित भारद्वाज ने कहा कि महाप्रभु के जीवन में 84 के अंक का अजब संयोग है । उनके द्वारा रचित 84 ग्रन्थ, उनकी 84 बैठक जहाँ उन्होंने जनकल्याणार्थ श्रीमद् भागवत का परायण किया, ब्रज 84 कोस यात्रा उन्हीं की देन है । उनके द्वारा प्रदत्त पुष्टिमार्ग में अपने आराध्य के प्रति समर्पण का भाव होता है। आचार्य बांकेबिहारी गोस्वामी ने कहा कि अग्निवर्तुल से प्रकट होने के कारण इनको अग्नि का अवतार माना गया है। आचार्य लालजी भाई शास्त्री ने कहा कि उनके जीवन पर प्रकाश डाला। संचालन करते हुये यज्ञदत्त शास्त्री ने कहा कि गोकुल के ठाकुरानी घाट पर उन्होंने ब्रह्म सम्बन्ध की दीक्षा ली एवं गोवर्धन में श्रीनाथ से उनका साक्षात्कार हुआ। इस अवसर पर अशोक शास्त्री, ब्रह्मानन्द पुरोहित, देवेन्द्र दीक्षित, भुवनेष आचार्य, गोविन्द शास्त्री तथा देवेन्द्र पाराशर आदि उपस्थित थे।

नई टीम को शपथ दिलाई गई, विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों का स्वागत किया

यूनिक समय, मथुरा। राज्य स्वायत्त कर्मचारी महासंघ संगठन के आहवान पर आयोजित प्रदेशव्यापी सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं नगर पालिकाओं से वरिष्ठ पदाधिकारियों का नगर निगम मथुरा वृन्दावन भूतेश्वर जोन कार्यालय पर आगमन हुआ। पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष हरीश यादव, जिला महामंत्री बलरामकृष्ण उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, श्रीमती प्रेम चौधरी, दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष अरूण खण्डेलवाल, मीडिया प्रभारी हनीफ अब्बास के साथ साथ कार्यकारिणी के सदस्य दिनेश कुमार, राजीव चौरासिया, डोरीलाल, नीलम वर्मा, नितिन वर्मा, डालचन्द, राजेश शर्मा, बृजलाल सैनी, जयप्रकाश को प्रदेश अध्यक्ष कुशलपाल सिंह एवं प्रदेश महामंत्री वीरेश्वर दयाल ने नवीन कार्यकारिणी वर्ष 2026 से 2028 दिसम्बर तक नवीन राज्य स्वायत्त कर्मचारी महासंघ संगठन की शपथ दिलाई गयी। मुख्य अतिथि अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, कर निर्धारण अधिकारी अरविन्द कुमार को आमंत्रित किया गया।

महाप्रभु वल्लभाचार्य का 549 वां प्राकट्य उत्सव मनाया

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य का जन्म उत्सव मनाते प्रबुद्धजन।

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रमुख ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य का 549 वां जन्म उत्सव मनाया गया।

मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में राजभोग दर्शन के उपरांत, प्रातः 11:00 बजे मंदिर प्रांगण में महाप्रभु जी का जन्मोत्सव मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के अधिकारी अशोक कुमार शर्मा एवं मुखिया सुधीर कुमार ने महाप्रभु जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। सभी पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पांजलि अर्पित की।

संचालन राकेश तिवारी एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर मंदिर के सेवा अधिकारी अजय भट्ट, सहायक अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, रोकड़िया गुप्ता, अनंत पाठक, समाधानी राजीव चतुर्वेदी, बृजेश चतुर्वेदी और मुखिया सुधीर कुमार आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय वैश्य महासभा की बैठक संपन्न

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में होगा कार्यक्रम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय वैश्य महासभा की बैठक में समाजसेवी कमल किशोर वार्ष्णेय को भारतीय जनता पार्टी का जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया गया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि कमल किशोर वार्ष्णेय कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ता है। मथुरा जिले में समाजसेवी के रूप में अलग पहचान है। स्वागत से गदगद हुए भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि भाजपा की ओर से दी गई जिम्मेदारी को वह बखूबी निभाएंगे। संगठन को मजबूत करने की पूरी कोशिश करेंगे। वर्ष 2027 में आने वाले विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बनाए गए कमल किशोर वार्ष्णेय का स्वागत करते अखिल भारतीय वैश्य महासभा के पदाधिकारी।

बैठक में अखिल भारतीय वैश्य महासभा को विस्तार करने की रणनीति तैयार की गई।

मथुरा जिले में संगठन का विस्तार कर मई या जून में योगिराज श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली पर बड़ा कार्यक्रम कराने पर विचार विमर्श किया गया। संगठन विस्तार करते हुए राजकुमार अग्रवाल सुपारी वाले को प्रदेश मंत्री, अभिषेक जैन को युवा इकाई का जिला अध्यक्ष,समीर जैन को युवा इकाई का जिला महामंत्री, सुची अग्रवाल को महिला विंग की जिला अध्यक्ष, रेशमा अग्रवाल को जिला महामंत्री एवं रचना अग्रवाल को महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि

भाजपा का जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर कमल किशोर वार्ष्णेय का स्वागत

प्रकाश अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री संजीव वार्ष्णेय, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, प्रदेश उपाध्यक्ष अमृत खंडेलवाल, जिला प्रभारी ऋषि गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी अनिल अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष दीपक गोयल एडवोकेट वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील वार्ष्णेय, विकास वार्ष्णेय महिला राष्ट्रीय मंत्री ललित गुप्ता, अखिलेश वार्ष्णेय, जिला मीडिया प्रभारी पंकज खंडेलवाल, भारत विकास परिषद के संस्थापक सचिन अग्रवाल तथा एडवोकेट राजेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

आश्वासन समिति की बैठक 16 अप्रैल को

यूनिक समय, मथुरा। उप्र विधान परिषद् की "आश्वासन समिति" के सभापति मो जासमीर अंसारी की अध्यक्षता में समिति की बैठक 16 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभागार में होगी।